केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम सम्पर्क
मो0 9336715406
8400925463
भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :47 अंक 288 बुधवार 13 मई 2026 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

मोबाइल टावर पर चढ़ गई महिला

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। वाल्टरगंज थाना क्षेत्र के पड़िया चौराहे पर मंगलवार दोपहर उस समय हड़कंप मच गया, जब एक महिला अचानक एक ऊंचे मोबाइल टावर पर चढ़ गई। महिला को टावर पर इतनी ऊंचाई पर देखकर स्थानीय लोग हैरान रह गए और देखते ही देखते मौके पर सैकड़ों ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई।

महिला को टावर पर चढ़ा देख तुरंत शोर मच गया। स्थानीय लोगों ने तत्काल वाल्टरगंज पुलिस को इसकी सूचना दी। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस टीम मौके पर पहुंची और महिला को सुरक्षित नीचे उतारने के प्रयासों में जुट गई। चौराहे पर भीड़ जमा होने के कारण सड़क पर आवागमन भी प्रभावित हुआ।

पुलिस और स्थानीय प्रशासन अब महिला की पहचान करने और उसके इस कदम के पीछे के कारणों का पता लगाने का प्रयास कर रहे हैं। प्रथम दृष्टया यह मामला किसी पारिवारिक विवाद या मानसिक तनाव से जुड़ा हुआ प्रतीत हो रहा है, हालांकि पुलिस ने अभी तक इस संबंध में कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दी है।

समाचार लिखे जाने तक महिला को सुरक्षित नीचे उतारने के प्रयास जारी थे। पुलिस आसपास के लोगों से महिला के घर और परिजनों के बारे में जानकारी जुटा रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि महिला के नीचे उतरने के बाद ही पूरी स्थिति स्पष्ट हो पाएगी। टावर के पास लोग बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

किसानों को दिया गन्ने के पेडी प्रबंधन की जानकारी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। बजाज चीनी मिल रुधौली अंतर्गत बहादुरपुर ब्लॉक के ग्राम भरवलिया ,पिकोरा, कसैला मेड़रहिया कठोलिया जाट के गांव में चीनी मिल के इकाई प्रमुख डॉ. जे. पी. त्रिपाठी ने पेडी और पौधे के प्लाट का निरीक्षण किया ।

उन्होंने कृषक राम प्रकाश पांडे, राजा राम चौधरी राम भवन चौधरी, संतराम यादव राम तेज यादव प्रेमचंद यादव अभिमन्यु पांडे के प्लाट पर उन्नत सील गन्ना प्रजाति 14201 16202 17231 98014 0118 के जमाव को भी देखा । कृषको से कहा कि चीनी मिल से दी जा रही दवा कोराजन बटाको चक्रव्यूह का प्रयोग कृषक करें । ध्यान रहे की कोराजन का गन्ना फसल में प्रयोग करने के तुरंत बाद पानी चला दे आप लोग अपने क्षेत्रीय फील्ड सुपरवाइजर से दवा प्राप्त कर सकते हैं तथा पेड़ी में यूरिया पोटाश सल्फो जिंक का प्रयोग करें जिससे समय से पौधों को और पेड़ी को उर्वरक खाद का डोज मिल सके । सीनियर गन्ना अधिकारी बाल सिंधु गगन पांडे ने कहा की इकाई प्रमुख का सुझाव कृषक अपना रहे हैं और उसका पालन भी कर रहे हैं गन्ना सर्वे कार्य चल रहा है।' इस दौरान क्षेत्रीय अधिकारी प्रवीण सिंह फील्ड सुपरवाइजर प्रेमचंद ग्राम प्रधान संतराम ,,रामनाथ शिवकुमार चौधरी ,,आज्ञा राम चौधरी समेत क्षेत्रीय कृषक उपस्थित रहे।

नीट पेपर लीक मामले में सीबीआई ने दर्ज किया मुकदमा: गड़बड़ियों की जांच शुरू

नई दिल्ली (आभा)। सीबीआई ने नीट–यूजी 2026 परीक्षा के पेपर लीक मामले में एफआईआर दर्ज कर ली है। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। देशभर के मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश के लिए आयोजित की गई इस परीक्षा को आरोप सामने आने के बाद रद्द कर दिया गया। केंद्र सरकार ने मामले की जांच के लिए इसे सीबीआई को सौंपा है। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी के अनुसार, अनियमितताओं और गड़बड़ियों से जुड़ी जानकारी 7 मई की शाम को मिली थी, यानी परीक्षा होने के चार दिन बाद। इसके बाद 8 मई की सुबह इन सूचनाओं को आवश्यक कार्रवाई के लिए केंद्रीय एजेंसियों के पास भेजा गया।

एनटीए ने अपने बयान में कहा, 'केंद्रीय एजेंसियों के साथ तालमेल करके इनपुट की जांच की गई। इस रिपोर्ट के आधार पर भारत सरकार की मंजूरी से 3 मई 2026 को आयोजित NEET&UG 2026 परीक्षा को रद्द करने और दोबारा परीक्षा आयोजित करने का फैसला लिया गया है। नई परीक्षा की तारीख बाद में घोषित की जाएगी।' नीट–यूजी 2026 परीक्षा 3 मई को भारत के 551 शहरों और विदेश के 14 शहरों में आयोजित की गई थी। इस परीक्षा में करीब 23 लाख छात्रों ने भाग लिया था।

इस बीच, नासिक पुलिस ने नीट परीक्षा के प्रश्नपत्र लीक होने मामले में मंगलवार को एक व्यक्ति को हिरासत में लिया। पुलिस उपायुक्त किरण कुमार चौहान ने कहा, 'NEET एग्जाम के प्रश्नपत्र लीक मामले में एक शख्स को हिरासत में लेने के लिए राजस्थान पुलिस से अपील आई। उसी के आधार पर नासिक पुलिस ने अपराध शाखा ने एक व्यक्ति को पकड़ा है।'

पुत्र की हत्या मामले में पिता ने एसपी से लगाया न्याय की गुहार: दोषियों के गिरफ्तारी की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। हरैया थाना क्षेत्र के शम्भूपुर निवासी निर्मल निषाद की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला गरमाता जा रहा है। मंगलवार को पिता जुगराज निषाद ने पुलिस अधीक्षक को पत्र देकर हत्यारोपियों को गिरफ्तार किये जाने की मांग किया है।

एसपी को दिये पत्र में जुगराज निषाद ने कहा है कि उसके पुत्र निर्मल निषाद की गत 23 अप्रैल को संदिग्ध परिस्थितियों में मृत्यु हो गई थी, उसका शव फांसी के फंदे से लटका हुआ पाया गया। मृतक द्वारा मृत्यु से पूर्व एक सुसाइड नोट लिखा गया था तथा वीडियो, फोटो एवं व्हाट्सएप चौटिंग भी उपलब्ध है, जिसमें ग्राम खैरी थाना–हरैया निवासी कमला निषाद सहित पप्पू निषाद उर्फ श्रीराम, राहुल निषाद, संग्राम निषाद एवं अन्य आरोपियों को अपनी मृत्यु के लिए जिम्मेदार ठहराया गया है। मृतक ने स्पष्ट रूप से उल्लेख किया है कि उक्त लोग उसे लगातार मानसिक एवं शारीरिक रूप से प्रताड़ित कर रहे थे। पुलिस द्वारा एक महिला आरोपी कमला निषाद को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है किन्तु अन्य आरोपी खुले आम घूम रहे हैं।

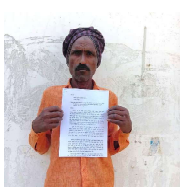

पिता जुगराज निषाद ने एसपी को पत्र देकर मांग किया है कि उनके पुत्र निर्मल निषाद के पास मिले सुसाइड नोट के आधार पर पप्पू निषाद उर्फ श्रीराम निषाद, राहुल निषाद, संग्राम निषाद पुत्रगण मुन्नीलाल सहित अन्य लोगों के खिलाफ थाना कप्तानगंज थानाध्यक्ष को निर्देशित करते हुए मुल्जिमानों को एफ0आई0आर संख्या 107/2026 नाम दर्ज कर विवेचना करवाकर मुल्जिमानों को गिरफ्तार कराने के साथ ही परिवार को न्याय दिलाने के साथ ही जान माल की सुरक्षा सुरक्षित करायी जाय। खुले आम घूम रहे अपराधी किसी और घटना को अंजाम दे सकते हैं।

गोवंश रक्षा, उत्थान के लिये सरकार प्रतिबद्ध– महेश शुक्ल

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती । गो सेवा आयोग उपाध्यक्ष महेश शुक्ल ने सर्किट हाउस में आयोजित प्रेसवार्ता में कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में राज्य सरकार गो सेवा को केवल सांस्कृतिक दायित्व नहीं, बल्कि एक पवित्र एवं सतत कार्य के रूप में स्वीकार करते हुए सतत कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार द्वारा निराश्रित एवं असहाय गोवंश के संरक्षण एवं वृद्धदायमी देखभाल के लिए व्यापक एवं बहु–आयामी योजनाएं संचालित की जा रही हैं, जिनके सकारात्मक परिणाम प्रदेश भर में स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहे है। उत्तर प्रदेश देश का पहला ऐसा राज्य है जहां निराश्रित गोवंश के भरण–पोषण के लिए सरकार द्वारा 50 रुपये प्रति दिन के दर से भरण–पोषण की धनराशि उपलब्ध कराई जा रही है।

राज्य मंत्री से मत्स्य विभाग की योजनाओं पर चर्चा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बांसी (सिद्धार्थनगर)। मत्स्य विभाग के अध्यक्ष एवं दर्जा प्राप्त राज्य मंत्री वीरू साहनी से अपना दल (एस) के जिला महासचिव कृपा शंकर सिंह ने शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान मत्स्य विभाग की विभिन्न योजनाओं पर विस्तार से चर्चा करते हुए उनके लाभ और क्रियान्वयन की जानकारी दी।

मुलाकात के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों के विकास को लेकर भी सार्थक बातचीत हुई, जिसमें क्षेत्रीय समस्याओं और उनके समाधान पर विचार–विमर्श किया गया।

इस अवसर पर वार्ड नंबर 28 के भावी प्रत्याशी एवं जिला पंचायत सदस्य अतुल गुप्ता, महेन्द्र शर्मा और अमन भी उपस्थित रहे।

कच्ची सड़क ग्रामीणों के लिये बनी समस्या, नहीं सुनते जिम्मेदार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बांसी (सिद्धार्थनगर)। बांसी विधानसभा क्षेत्र के ग्राम पंचायत महुआ कलां अंतर्गत ग्राम महुआ खुर्द में पिछले लगभग 20 वर्षों से कच्चा मार्ग ग्रामीणों के लिए बड़ी समस्या बना हुआ है। यह मार्ग बांसी–इटवा रोड से बिमाउवा बुजुर्ग मार्ग से सटा हुआ है, बावजूद इसके आज तक सड़क निर्माण नहीं कराया गया।

ग्रामीणों का कहना है कि उन्होंने कई बार ग्राम पंचायत प्रतिनिधियों व संबंधित अधिकारियों से सड़क निर्माण की मांग की, लेकिन हर बार केवल आश्वासन ही मिला। बरसात का मौसम आते ही यह कच्चा रास्ता पूरी तरह कीचड़ में तब्दील हो जाता है, जिससे गांव से बाहर निकलना तक मुश्किल हो जाता है।

स्कूल जाने वाले बच्चों, किसानों, बुजुर्गों और मरीजों को सबसे ज्यादा परेशानी का सामना करना पड़ता है। ग्रामीणों ने बताया कि हल्की बारिश में भी रास्ते पर चलना दूभर हो जाता है और कई बार लोग फिसलकर चोटिल भी हो जाते हैं।

ग्रामीणों ने शासन–प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द सड़क का निर्माण कराया जाए ताकि लोगों को इस समस्या से राहत मिल सके। ग्रामीणों ने सवाल किया कि "जब हर गांव के विकास की बात हो रही है, तो महुआ खुर्द का यह मार्ग आखिर कब बनेगा?"

स्मार्ट मीटर, घरेलू गैस संकट सहित 19 सूत्रीय मांगों को लेकर बहुजन मुक्ति पार्टी ने भेजा ज्ञापन

—जनता पर मंहगाई का बोझ डालना बंद करे सरकार–बुद्धेश राना

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। मंगलवार को बहुजन मुक्ति पार्टी जिलाध्यक्ष बुद्धेश राना, युग विंग जिलाध्यक्ष चन्द्र प्रकाश गौतम के नेतृत्व में तीन चरण बद्ध आंदोलन की कड़ी में घरेलू गैस, स्मार्ट मीटर, डीजल, पेट्रोल सहित जनहित के 15 सूत्रीय मांगों को लेकर प्रदर्शन करते हुये जिलाधिकारी के प्रशासनिक अधिकारी के माध्यम से राष्ट्रपति को ज्ञापन भेजा गया।

आर के आरतियन पूर्वांचल जोन प्रभारी भारत मुक्ति मोर्चा , चंद्रिका प्रसाद प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य बीएमपी, आर के गौतम प्रदेश उपाध्यक्ष बीएमपी, हृदय गौतम मंडल अध्यक्ष बीएमपी आदि ने ज्ञापन सौंपने के बाद कहा कि समस्याओं का समुचित निराकरण न हुआ तो आन्दोलन जारी रहेगा। कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा मंहगाई, बेरोजगारी पर अंकुश लगाने में विफल है। स्मार्ट मीटर द्वारा अधिकतम बिजली बिल उपभोक्ताओं पर थोपा जा रहा है। मंहगे घरेलू गैस और कॉमर्शियल गैस एवं मंहगे पेट्रोल–डीजल ने देश के बहुजन समाज के लोगों की आर्थिक कमर तोड़ने का सुनियोजित षड्यंत्र केन्द्र सरकार द्वारा किया जा रहा है। इसके विरोध में राष्ट्रव्यापी आंदोलन किया जा रहा है।

राष्ट्रपति को भेजे ज्ञापन में कहा गया है कि एक तरफ इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) के द्वारा जनता के वोटों की चोरी हो रही है तो वहीं दूसरी तरफ स्मार्ट के द्वारा जनता को लूटा जा रहा है। विद्युत सप्लाई ना करते हुए भी उपभोक्ताओं पर स्मार्ट मीटर द्वारा बिल थोपा जा रहा है। इस पर रोक लगाया जाय। घरेलू गैस रुपया 1500 से लेकर 2000 तक और कॉमर्शियल गैस रू. 2500 से लेकर रू. 3500 तक मंहगा कर दिया है। देश के प्रत्येक नागरिकों को रोजी–रोटी, कपड़ा–मकान, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं सुरक्षा मिलनी चाहिए, लेकिन वर्तमान केन्द्र सरकार की गलत नीतियों के कारण देश की आम जनता परेशान है। घरेलू गैस सिलेण्डर के लिये लोग परेशान है, कॉमर्शियल गैस की आपूर्ति रुकने से होटल, ढाबा और रेस्टोरेंट का काम पूरी तरह से ठप हो चुका है। इसके कारण बेरोजगारी लगातार बढ़ रही है। गैस एजेंसियां एजेंटों के माध्यम से काला बाजारी कर ब्लैक से मंहगे कीमतों में सिलेण्डर गैस बेच रही है। पेट्रोल–डीजल की बढ़ती कीमतों ने कर्मचारी, किसान–श्रमिक, युवा–छात्रों को प्रभावित किया है। मांग किया कि केन्द्र और उत्तर प्रदेश की सरकार जनता का अनावश्यक उत्पीड़न बंद करे।

ज्ञापन देने के दौरान मुख्य रूप से सुग्रीव चौधरी, अमरनाथ, राम सुमेर यादव, सुनीता देवी, दिनेश कुमार, दीपक आर्य, पवन कुमार, ठाकुर प्रेम नंदवंशी, डा रिफाकत अली, वंश बहादुर चौधरी आदि शामिल रहे।

भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान को कथित समर्थन देने के मुद्दे पर चीन को दिया कड़ा संदेश

नई दिल्ली (आभा)। भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान को कथित समर्थन देने के मुद्दे पर चीन को कड़ा संदेश दिया है। विदेश मंत्रालय (डम्) ने कहा कि जो देश खुद को जिम्मेदार मानते हैं, उन्हें यह सोचना चाहिए कि आतंकवादी ढांचे को बचाने की कोशिशों का उनकी अंतरराष्ट्रीय साख और प्रतिष्ठा पर क्या असर पड़ता है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने मंगलवार को नई दिल्ली में आयोजित साप्ताहिक प्रेस ब्रीफिंग के दौरान यह टिप्पणी की। उनसे चीन के उस बयान को लेकर सवाल पूछा गया था, जिसमें पहली बार यह स्वीकार किया गया कि मई 2025 में भारत के ऑपरेशन सिंदूर के दौरान उसने पाकिस्तान को जमीनी स्तर पर सहायता प्रदान की थी।

रणधीर जायसवाल ने कहा, 'हमने ऐसी रिपोर्टें देखी हैं जो उन बातों की पुष्टि करती हैं, जिनकी जानकारी पहले से थी। जो देश खुद को जिम्मेदार मानते हैं, उन्हें यह जरूर सोचना चाहिए कि आतंकवादी बुनियादी ढांचे को बचाने के प्रयासों का उनकी प्रतिष्ठा और वैश्विक छवि पर क्या प्रभाव पड़ता है।'

उन्होंने कहा, 'ऑपरेशन सिंदूर पाकिस्तान से संचालित और उसके समर्थन प्राप्त आतंकवादी ढांचे को नष्ट करने के उद्देश्य से चलाया गया एक सटीक और लक्षित अभियान था।' भारत ने 6 और 7 मई 2025 की मध्य रात्रि पाकिस्तान में स्थित नौ आतंकी ठिकानों पर एयर स्ट्राइक की थी। इस कार्रवाई में 100 से अधिक आतंकियों के मारे जाने की जानकारी सामने आई थी।

हिमंता दूसरी बार असम के मुख्यमंत्री बने

गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह समेत बीजेपी–छव्र शासित राज्यों के सीएम और कई केंद्रीय मंत्री मौजूद रहे। हिमंता का पूरा परिवार भी कार्यक्रम में मौजूद रहा।

गुवाहाटी (आभा)। हिमंता बिस्वा सरमा लगातार दूसरी बार असम के मुख्यमंत्री बने हैं। असम के गवर्नर लक्ष्मण आचार्य ने गुवाहाटी के खानापारा वेटरनरी कॉलेज ग्राउंड में उन्हें पद और गोपनियता की शपथ दिलाई। हिमंता के अलावा 4 विधायकों भाजपा के रामेश्वर तेली, अजंता न`ओम, AGP के अतुल बोरा, BPF के चरण बोरो ने मंत्री पद की शपथ ली है। इनमें दो बीजेपी और 2 सहयोगी दलों से हैं। शपथ कार्यक्रम में पीएम मोदी,

प्राथमिक शिक्षक संघ के अधिवेशन में मुद्दों पर विमर्श, हरेन्द्र यादव अध्यक्ष, वेद प्रकाश मंत्री, मंगला कोषाध्यक्ष निर्वाचित

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ ब्लॉक इकाई कप्तानगंज का त्रैवार्षिक अधिवेशन मंगलवार को बीआरसी परिसर में सम्पन्न हुआ। चुनाव पर्यवेक्षक नीरज सिंह, चुनाव अधिकारी विजय यादव, उमाशंकर पाण्डेय, प्रवीण श्रीवास्तव और गिरजेश चौधरी की देखरेख में पदाधिकारियों का निर्वाचन संपन्न हुआ। अध्यक्ष पद के लिए हरेन्द्र यादव 164 मत पाकर विजई रहे। वहीं निकटतम प्रतिद्वंद्वी शिव प्रकाश सिंह को 114 मत मिला। मंत्री पद पर वेद प्रकाश उपाध्याय चौथी बार 126 मत पाकर विजई रहे। मंत्री पद पर लड़ रहे दो अन्य प्रत्याशियों राजेश और विजय भारती को क्रमशः 75 और 71 मत मिले। कोषाध्यक्ष पद पर मंगला मौर्य 144 मत पाकर विजई रहे। वहीं उनके निकटतम प्रतिद्वंदी रामरंग को 131 मत मिला। चुनाव पर्यवेक्षक ने बताया कि 278 शिक्षकों ने अपने मत का प्रयोग किया। जिसमें मंत्री पद पर छह और कोषाध्यक्ष पद पर तीन मत अवैध पाया गया। अध्यक्ष, मंत्री और कोषाध्यक्ष पद पर एक से अधिक नामांकन होने कारण चुनाव हुआ जबकि अन्य पदों पर एक से अधिक नामांकन ना होने के कारण पूरी कार्यकारिणी का मनोनयन हुआ। जिसमें वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर चंद्रभूषण द्विवेदी, उपाध्यक्ष पद पर विजय बहादुर, चंद्र मोहन, विनय शंकर पाण्डेय, अवनीश सिंह, विवेक सिंह, परमानंद और कुसुम, संयुक्त मंत्री पद पर गौरव चौधरी, संगठन मंत्री पर राकेश कुमार मिश्र, हरिश्चन्द्र, शेषनाथ यादव, शिव त्रिपाठी और शैल वर्मा, प्रचार मंत्री पद पर महादेव वर्मा, पुष्पेन्द्र कुमार, रजनीश यादव, दौलत राम और महेलका बानो, लेखाकार पद पर शिवनाथ तथा आय व्यय निरीक्षक पद पर महेंद्र कुमार निर्वाचित हुए।

उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष चंद्रिका सिंह और मंत्री बालकृष्ण ओझा ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाते हुए कहा कि आप सभी को शिक्षकों ने जो जिम्मेदारी सौंपी है उसकी पूरी निष्ठा से निर्वहन करें। जिला कोषाध्यक्ष दुर्गेश यादव ने कहा कि वर्तमान में शिक्षक समस्याओं से पीड़ित है। इसके निदान के लिए शिक्षकों की एकजुटता जरूरी है। इस अवसर पर राजकुमार तिवारी, सुधीर तिवारी, विनोद यादव,रामललित, प्रमोद पाण्डेय, सनद पटेल सहित बड़ी संख्या में शिक्षक उपस्थित रहे।

चन्द्रभान चौरसिया अध्यक्ष, अरविन्द कुमार यादव मंत्री घोषित

—प्राथमिक शिक्षक संघ के अधिवेशन में शिक्षक हितों के लिये संघर्ष पर जोर

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। मंगलवार को उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के ब्लॉक इकाई कुदरहा का अधिवेशन एवं कार्यकारिणी चुनाव ब्लॉक संसाधन केंद्र कुदरहा के परिसर में संपन्न हुआ। चुनाव प्रक्रिया जिला कार्यकारिणी के पर्यवेक्षक इंद्रसेन मिश्रा व चुनाव अधिकारी महेश कुमार की देखरेख में लोकतांत्रिक ढंग से पूरी की गई। सभी प्रत्याशी निर्विरोध चुने गए। चन्द्रभान चौरसिया अध्यक्ष, अरविन्द कुमार यादव मंत्री, रवींद्र कुमार वर्मा वरिष्ठ उपाध्यक्ष, संयुक्त मंत्री राम प्रकाश, कोषाध्यक्ष मैयाराम राव, उपाध्यक्ष ममता देवी, यशपाल सिंह, तसौवर हुसैन, सत्य नारायण, अनिल कुमार, अजय यादव, कृष्ण कुमार वर्मा, संगठन मंत्री किरण सिंह, सुधीर पांडेय, सुभाष सोनकर, जय सिंह, शुभेंदु श्रीवास्तव, कैलाश मौर्य, राम प्रकाश यादव, विवेकानंद गोंड,जयराम, जबकि सुनयना वर्मा,प्रीति दीनानाथ कन्नौजिया, शिवम यादव, राजकुमार, विवेक यादव प्रचार मंत्री निर्वाचित हुए। दिनेश कुमार चौधरी को अकाउंटेंट, जय प्रकाश यादव को ऑडिटर चुना गया।

अधिवेशन में शिक्षकों को संबोधित करते हुए जिला संयोजक देवेंद्र कुमार वर्मा ने कहा कि शिक्षक संघ सदैव शिक्षकों के मान–सम्मान और उनके जायज अधिकारों के लिए संघर्षरत रहा है। पदाधिकारी पूरी निष्ठा के साथ शिक्षक हितों में अपने दायित्वों को पूरा करें।

नवनियुक्त ब्लॉक अध्यक्ष चंद्रभान चौरसिया ने शिक्षकों को आश्वस्त किया कि वे ब्लॉक स्तर पर शिक्षकों की समस्याओं के त्वरित निस्तारण के लिए प्रतिबद्ध रहेंगे। उन्होंने पुरानी पेंशन बहाली, ऑनलाइन उपस्थिति का दबाव और अवकाश में कार्य के बदले प्रतिकार अवकाश जैसी समस्याओं पर संघर्ष जारी रखने का संकल्प लिया।

जिला सह–संयोजक विजय प्रकाश चौधरी, महेश कुमार, चंद्रभान चौरसिया और राम भरत वर्मा ने नवनियुक्त ब्लॉक अध्यक्ष और उनकी टीम को बधाई देते हुए कहा कि कुदरहा ब्लॉक हमेशा से संगठन की रीढ़ रहा है। शिक्षकों को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि डिजिटल उपस्थिति और गैर–शैक्षणिक कार्यों का बढ़ता बोझ शिक्षकों की गुणवत्ता को प्रभावित कर रहा है, जिसका विरोध जारी रहेगा।

इस अवसर पर मुख्य रूप से अजय प्रताप चौधरी, शोभाराम वर्मा, सतीश भारती, अभिषेक जायसवाल,विजय कन्नौजिया, वैभव प्रसाद, विवेकानंद वर्मा, राधेश्याम वर्मा,अंकी वर्मा, नीतू मौर्य,प्रमिला चौधरी,अंकिता चौधरी, प्रियंका यादव सहित सैकड़ों शिक्षक उपस्थित रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मैं इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 13 मई 2026 बुधवार

सम्पादकीय

नीट परीक्षा पर ग्रहण

तीन मई को संपन्न हुई नीट अंडर ग्रेजुएट परीक्षा पर एक बार फिर ग्रहण लग गया है। देशभर के लाखों छात्रों की उम्मीदों पर पानी फिर गया, जब नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने परीक्षा रद्द करने का ऐलान कर दिया। नीट परीक्षा में करीब 24 लाख परीक्षार्थी बैठे थे। पेपर लीक की खबरों ने पूरे सिस्टम को हिला दिया। राजस्थान से पेपर आउट होने की अफवाहें तेज हैं और विपक्ष ने इसे मोदी सरकार पर सीधा हमला बोल दिया। छात्र सड़कों पर उतर आए, आक्रोश की लहर दौड़ गई। सरकार ने आनन–फानन में नीट पेपर लीक मामले की जांच सीबीआई से कराने का आदेश दे दिया है, लेकिन सवाल यह है कि आखिर बार–बार ऐसा क्यों हो रहा है? शिक्षा माफिया की साजिशें कब थमेगी? यह कोई नई घटना नहीं। पिछले सालों में कई महत्वपूर्ण परीक्षाओं के पेपर लीक हो चुके हैं। इन घटनाओं ने न सिर्फ छात्रों का भविष्य दांव पर लगा दिया, बल्कि राजनीतिक घमासान भी खड़ा कर दिया। सवाल यह भी उठ रहा है कि क्या परीक्षा प्रणाली में सुधार की बातें बेईमानी साबित हो रही हैं? क्या सरकार भरोसा दिला सकती है कि दोबारा परीक्षा लीक नहीं होगी? बात नीट कांड की शुरुआत कैसे हुई, की जाए तो तीन मई को सुबह नौ बजे शुरू हुई परीक्षा के कुछ घंटों बाद ही सोशल मीडिया पर पेपर के सवाल वायरल हो गए। राजस्थान के सीकर और जयपुर इलाकों से लीक की पुष्टि हुई। तत्पश्चात, पुलिस अब तक आठ लोगों को गिरफ्तार भी कर चुकी है, जिनमें परीक्षा केंद्र के कुछ कर्मचारी और दलाल शामिल हैं। ये गिरफ्तारियां साजिश के एक बड़े नेटवर्क का पर्दाफाश कर रही हैं। छात्रों का कहना है कि बिहार, गुजरात और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में भी पेपर पहले से बिक रहा था। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी यानी एनटीए ने रद्दीकरण का फैसला लेते हुए नई तारीख जल्द घोषित करने का वादा किया है, लेकिन छात्रों का गुस्सा ठंडा होने का नाम नहीं ले रहा। दिल्ली, मुंबई और पटना में विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। परिवार वाले चिंतित हैं कि दोबारा परीक्षा का बोझ कैसे झेलें।

पिछले सालों के काले अध्याय याद आते हैं, जब परीक्षा प्रणाली पर सेंध लग चुकी थी। 2015 में वाइब्रेंट गुजरात के दौरान आयोजित जीएलओई परीक्षा का पेपर लीक हुआ। सैकड़ों उम्मीदवारों को फायदा पहुंचा। फिर 2021 में बिहार के बीपीएससी परीक्षा का मामला सामने आया, जहां पेपर सॉल्वर गिरोह ने हल्ला बोल दिया। 2022 में यूपीटीईटी का पेपर लीक हुआ, जिसके बाद परीक्षा रद्द करनी पड़ी। उत्तर प्रदेश सरकार ने जांच के आदेश दिए, लेकिन दोषियों को सजा मिलने में देरी हुई। इसी साल फरवरी में रोहिणी परीक्षा का पेपर भी लीक हो गया। बिहार में नीट पीजी का कांड तो सुर्खियों में रहा। सुप्रीम कोर्ट ने हस्तक्षेप कर परीक्षा स्थगित की। महाराष्ट्र में एमपीएससी का पेपर लीक होने से हड़कंप मच गया। ये घटनाएं बताती हैं कि शिक्षा माफिया का जाल कितना गहरा है। ये गिरोह परीक्षा केंद्रों के अंदरूनी लोगों से सेटिंग कर पेपर हासिल कर लेते हैं और अमीर छात्रों को बेच देते हैं। इन पेपर लीक मामलों पर राजनीति का खेल हमेशा चरम पर रहता है। विपक्ष इसे सरकार की नाकामी बताकर हमला बोलता है। इस बार नीट रद्दीकरण के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने ट्वीट कर कहा कि मोदी सरकार छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ कर रही है। राहुल गांधी ने संसद में बहस की मांग की। आप के अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली में छात्रों का साथ देते हुए शिक्षा मंत्री पर सवाल उठाए। वहीं भाजपा ने इसे राज्य सरकारों की साजिश बताया, खासकर राजस्थान और बिहार में। 2022 के यूपीटीईटी कांड में सपा ने योगी सरकार को घेरा था, जबकि भाजपा ने विपक्षी राज्यों को जिम्मेदार ठहराया। बिहार में नीट पीजी लीक पर आरजेडी और जदयू ने नीतीश कुमार सरकार पर तीर चलाए। हर बार चुनावी मौसम में ये मामले राजनीतिक हथियार बन जाते हैं। पार्टियां वोट बैंक के लिए छात्र आंदोलनों का फायदा उठाती हैं, लेकिन स्थायी समाधान कोई नहीं देता। यह राजनीतिक नौटंकी छात्रों के दर्द को और बढ़ा देती है।

वैसे, पेपर लीक कराने वालों के खिलाफ कार्रवाई का सिलसिला लंबा है, लेकिन नाकाफी। पुलिस अक्सर गिरफ्तारियां तो करती है, मगर सजा मिलना मुश्किल होता है। 2022 के यूपीटीईटी मामले में एसटीएफ ने 15 लोगों को पकड़ा, लेकिन अदालत में केस लंबा खिंच गया। बिहार में 2024 के बीपीएससी कांड में 20 से ज्यादा गिरफ्तारियां हुईं, कई को जमानत मिल गई। राजस्थान पुलिस ने नीट मामले में अब तक आठ को हिरासत में लिया, लेकिन मास्टरमाइंड फरार है। कानून में सख्त प्रावधान हैं। पब्लिक एग्जामिनेशन अथॉरिटी एक्ट 2024 के तहत पेपर लीक पर दस साल की सजा और जुर्माना है। फिर भी अमल कमजोर है। सॉल्वर गिरोहों पर नकेल कसने के लिए विशेष अदालतें बनाई गईं, लेकिन भ्रष्टाचार की जड़ें गहरी हैं। कई मामलों में अधिकारी ही शामिल पाए गए, जिससे जांच प्रभावित होती है। कार्रवाई दिखावटी रह जाती है। परीक्षा लीक मामले में न्यायपालिका ने कई बार सख्त रुख अपनाया है। सुप्रीम कोर्ट ने नीट पीजी लीक पर केंद्र को फटकार लगाई और निष्पक्ष जांच का आदेश दिया। यूपीटीईटी मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने परीक्षा रद्द कर दोबारा आयोजित करने को कहा। कोर्ट ने कहा कि छात्रों का भविष्य दांव पर नहीं लग सकता। 2023 में बिहार पुलिस भर्ती परीक्षा पर पटना हाईकोर्ट ने हस्तक्षेप किया। जस्टिस डी वाई चंद्रचूड़ की बेंच ने स्पष्ट कहा कि पेपर लीक पारदर्शिता का उल्लंघन है। सुप्रीम कोर्ट ने डिजिटल सर्विलांस और सख्त सुरक्षा के निर्देश दिए। लेकिन कोर्ट के फैसले लागू करने में देरी होती है। न्यायपालिका ने कई बार सरकार को केंद्रीय एजेंसी बनाने का सुझाव दिया, ताकि राज्य स्तर पर भ्रष्टाचार रोका जा सके। कोर्ट छात्रों के हित में खड़ा दिखता है, लेकिन सिस्टम की कमजोरी उजागर करता रहता है।

एनजीओ ने भी इस लड़ाई में अहम भूमिका निभाई है। राइट टू एजुकेशन फोरम और सेंटर फॉर पब्लिक इंटरेस्ट लिटिगेशन जैसे संगठन ने कई पिटीशन दाखिल कीं। 2022 में यूपीटीईटी पीड़ित छात्रों ने एनजीओ की मदद से हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया। ट्रांसपेरेंसी इन एजुकेशन सोसाइटी ने नीट कांड पर रिपोर्ट जारी कर मांग की कि परीक्षा प्रक्रिया में ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी इस्तेमाल हो। ये संगठन छात्रों को कानूनी सहायता देते हैं और जागरूकता फैलाते हैं। बिहार में जस्टिस फॉर स्टूडेंट्स एनजीओ ने सॉल्वर गिरोह के खिलाफ स्टिंग ऑपरेशन किए। एनजीओ ने सरकार पर दबाव डाला कि पेपर लीक रोकने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित सिस्टम अपनाया जाए। इनकी सक्रियता से कई मामलों में तेज कार्रवाई हुई, लेकिन संसाधनों की कमी से प्रभाव सीमित रहता है। फिर भी ये सिविल सोसाइटी की आवाज बनते हैं। बहरहाल, लाख टके का सवाल यही है कि यह सिलसिला कब थमेगा? नीट रद्दीकरण ने पूरे सिस्टम पर सवाल खड़े कर दिए हैं। लाखों छात्रों का एक साल बर्बाद हो गया। शिक्षा माफिया को कुचलने के लिए कड़े कदम उठाने होंगे। राजनीतिक दलों को आरोप–प्रत्यारोप से ऊपर उठकर सुधार पर ध्यान देना चाहिए। न्यायपालिका और एनजीओ की भूमिका सराहनीय है, लेकिन सरकार की जिम्मेदारी सबसे बड़ी है। अगर अब भी सुधार नहीं हुए, तो आने वाली पीढ़ी का भविष्य खतरे में पड़ जाएगा। छात्रों की मेहनत व्यर्थ नहीं होनी चाहिए।

स्वर्णकार, और कारीगरों पर गहराता संकट

–नीरज कुमार दुबे–

पश्चिम एशिया युद्ध के कारण वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला पर बढ़ते दबाव और विदेशी मुद्रा भंडार पर असर को देखते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से देशवासियों से एक वर्ष तक सोने की खरीद टालने की अपील के बाद अब इस मुद्दे पर बहस तेज हो गई है। जहां सरकार विदेशी मुद्रा के बहिर्गमन को नियंत्रित करना चाहती है, वहीं देश का आभूषण उद्योग इस सुझाव को लेकर चिंता जता रहा है। उद्योग संगठनों का कहना है कि मांग को दबाने की बजाय देश में पहले से मौजूद निष्क्रिय सोने को आर्थिक व्यवस्था में शामिल करने पर जोर दिया जाना चाहिए।

अखिल भारतीय ज्वैलर्स एंड गोल्डस्मिथ फेडरेशन ने सरकार से सोना खरीद टालने की अपील के स्थान पर घरेलू सोना संग्रहण और पुनर्चक्रण व्यवस्था को मजबूत करने की मांग की है। संगठन ने वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल को पत्र लिखकर कहा है कि विदेशी मुद्रा भंडार और बढ़ते आयात बिल को लेकर सरकार की चिंता उचित है, लेकिन व्यापक स्तर पर लोगों को सोना खरीदने से हतोत्साहित करने का असर पूरे आभूषण उद्योग पर पड़ सकता है।

फेडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष पंकज अरोरा ने कहा कि समाधान मांग को खत्म करना नहीं, बल्कि देश में मौजूद निष्क्रिय सोने को व्यवस्थित तरीके से आर्थिक उपयोग में लाना है। उनके अनुसार घरेलू सोना संग्रहण, पुनर्चक्रण और उत्पादक उपयोग के जरिये विदेशी मुद्रा की बचत की जा सकती है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि उपभोक्ताओं की सोच अचानक नकारात्मक हुई तो दुकानों पर ग्राहकों की संख्या घटेगी, निर्माण आदेश कम होंगे और छोटे ज्वैलर्स तथा कारीगरों की आय पर गंभीर असर पड़ेगा।

फेडरेशन का कहना है कि यह केवल व्यापार का मामला नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों की आजीविका से जुड़ा मुद्दा है। हम आपको बता दें कि भारत में लगभग साढ़े तीन करोड़ लोग प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से आभूषण उद्योग से जुड़े हुए हैं। देश के ग्रामीण और शहरी परिवारों में सोना केवल विलासिता की वस्तु नहीं माना जाता, बल्कि यह बचत, सामाजिक सुरक्षा और विवाह परंपराओं का महत्वपूर्ण हिस्सा है। कई परिवारों के लिए आभूषण पहनने योग्य बचत के रूप में काम करते हैं।

इसी कारण फेडरेशन ने सरकार को कई वैकल्पिक सुझाव दिए हैं। संगठन ने गिफ्ट आईएफएससी या इंडिया इंटरनेशनल बुलियन एक्सचेंज व्यवस्था के भीतर एक समर्पित बुलियन बैंक स्थापित करने की मांग की है। यह संस्था घरेलू सोने के संग्रहण, शुद्धिकरण, उधार व्यवस्था और निपटान का केंद्रीय मंच बन सकती है। इसके अलावा गोल्ड ईटीएफ को अपने भौतिक सोना भंडार का बीस से तीस प्रतिशत तक नियामित ढांचे के तहत उधार देने की अनुमति देने का भी सुझाव दिया गया है।

फेडरेशन ने वर्ष 2015 में शुरू की गई स्वर्ण मुद्रीकरण योजना की समीक्षा की भी मांग की है। संगठन का कहना है कि संरचनात्मक कमजोरियों के कारण यह योजना अपेक्षित स्तर तक सफल नहीं हो सकी। इसके साथ ही डीमैट स्वरूप वाले बुलियन जमा प्रमाणपत्र, सोना हस्तांतरण पर कर और जीएसटी तटस्थता तथा राष्ट्रीय स्तर पर सोना संग्रहण और आयात प्रतिस्थापन की निगरानी के लिए डैशबोर्ड बनाने का सुझाव भी दिया गया है। विशेषज्ञों का मानना है कि भारत दुनिया के उन देशों में शामिल है जहां निजी हाथों में सबसे अधिक सोना मौजूद है। यदि इस सोने को औपचारिक आर्थिक ढांचे में शामिल किया जाए तो हर वर्ष दो सौ से तीन सौ टन तक सोना आयात की जरूरत कम की जा सकती है। इससे विदेशी मुद्रा की बचत होगी और रोजगार पर नकारात्मक असर भी नहीं पड़ेगा।

देखा जाये तो भारत में सोने के आयात में लगातार बढ़ोतरी ने सरकार की चिंता और बढ़ा दी है। आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2025–26 में देश का सोना आयात चौबीस प्रतिशत से अधिक बढ़कर रिकॉर्ड इकहत्तर अरब अट्ठानवे करोड़ डॉलर पर पहुंच गया, जबकि इससे पिछले वर्ष यह अट्ठावन अरब डॉलर था। हालांकि मात्रा के हिसाब से आयात घटकर सात सौ इक्कीस टन रह गया, लेकिन अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने की कीमतों में तेज उछाल के कारण आयात बिल तेजी से बढ़ा। भारत चीन के बाद दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा सोना उपभोक्ता है और वैश्विक अनिश्चितता के दौर में लोग सोने को सुरक्षित निवेश मानते हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि सोने के बढ़ते आयात से व्यापार घाटा और चालू खाते के घाटे पर दबाव बढ़ रहा है, जिससे विदेशी मुद्रा भंडार पर भी असर पड़ता है।

इस बीच, मोदी सरकार ने सोने के आयात को नियंत्रित करने के लिए कई कदम उठाए हैं। वर्ष 2022 में आयात शुल्क बढ़ाकर पंद्रह प्रतिशत किया गया था, हालांकि बाद में आभूषण उद्योग को राहत देने और तस्करी रोकने के उद्देश्य से इसे घटाकर छह प्रतिशत कर दिया गया। विशेषज्ञों का मानना है कि मुक्त व्यापार समझौतों के कारण संयुक्त अरब अमीरात से सोने का आयात तेजी से बढ़ा है। आर्थिक शोध संस्था जीटीआरआई ने चेतावनी दी है कि दुबई के रास्ते तीसरे देशों का सोना कम शुल्क का लाभ लेकर भारत पहुंच रहा है, जिससे व्यापार संतुलन प्रभावित हो सकता है। संस्था ने सरकार से व्यापार समझौतों की समीक्षा, सख्त नियम लागू करने तथा भविष्य के समझौतों में सोना, चांदी और प्लेटिनम जैसे उत्पादों को विशेष रियायतों से बाहर रखने की सिफारिश की है।

उधर, प्रधानमंत्री की अपील के बाद अब सोना विनिमय योजनाएं भी चर्चा में आ गई हैं। लंबे समय से आभूषण दुकानों में पुराना सोना बदलकर नया आभूषण लेने की सुविधा उपलब्ध है, लेकिन ताजा खरीद की तुलना में यह व्यवस्था अपेक्षाकृत कम लोकप्रिय रही है। अब इसे एक वैकल्पिक उपाय के रूप में देखा जा रहा है।

कई प्रमुख ज्वैलरी कंपनियां ग्राहकों को पुराना सोना बदलकर नया आभूषण लेने की सुविधा देती हैं। इस प्रक्रिया में पुराने आभूषण, टूटे हुए गहने, अनुपयोगी सोने की वस्तुएं और सोने के सिक्के तक स्वीकार किए जाते हैं। सबसे पहले प्रमाणित विधियों से सोने की शुद्धता जांची जाती है। इसके बाद उस दिन के बाजार भाव के अनुसार मूल्य तय किया जाता है और ग्राहक उसी राशि के आधार पर नया आभूषण खरीद सकता है। हालांकि ग्राहक को नए आभूषण पर मेकिंग चार्ज, जीएसटी तथा पत्थर या अशुद्धि होने पर कटौती का भुगतान करना पड़ता है।

उदाहरण के तौर पर यदि किसी ग्राहक के पास बीस ग्राम का बाइस कैरेट पुराना आभूषण है और उस दिन सोने का भाव तेरह हजार नौ सौ पैंतालीस रुपये प्रति ग्राम है, तो उसके सोने का अनुमानित मूल्य लगभग दो लाख अठहत्तर हजार नौ सौ रुपये होगा। इस राशि का उपयोग नया आभूषण खरीदने में किया जा सकता है।

बहरहाल, सरकार और उद्योग के बीच अब इस बात पर सहमति बनाने की जरूरत महसूस की जा रही है कि विदेशी मुद्रा बचत और रोजगार सुरक्षा दोनों के बीच संतुलन कैसे बनाया जाए। उद्योग संगठनों का मानना है कि यदि घरेलू सोने को व्यवस्थित रूप से आर्थिक प्रवाह में लाया जाए तो देश को आयात पर निर्भरता घटाने के साथ रोजगार और कारोबार दोनों को सुरक्षित रखने में मदद मिल सकती है।

लालची मालिकों के चंगुल में गोमाता

–डॉ. प्रियंका सौरभ–

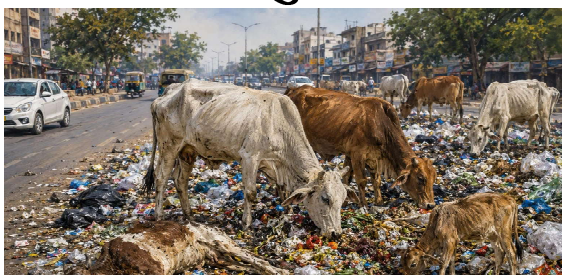

भारत के लगभग हर छोटे–बड़े शहर की एक भयावह तस्वीर अब आम होती जा रही है कूड़े के ढेर में भोजन तलाशती गायें, प्लास्टिक निगलते बछड़े, सड़कों पर भटकते पशु और गंदगी से जूझती आबादी। एक तरफ समाज गाय को "माता" कहकर पूजता है, दूसरी तरफ वही गायें भूख, बीमारी और लापरवाही के कारण सड़कों पर दम तोड़ रही हैं। यह केवल सफाई व्यवस्था की विफलता नहीं, बल्कि हमारी सामाजिक संवेदनहीनता और दोहरे चरित्र का जीवंत प्रमाण है। आज देश के अधिकांश शहरों में सुबह का दृश्य लगभग एक जैसा होता है। दूध निकालने के बाद पशुपालक अपनी गायों को खुला छोड़ देते हैं। ये पशु फिर गलियों, बाजारों और कूड़े के ढेरों में भोजन तलाशते घूमते रहते हैं। सड़ी सब्जियाँ, प्लास्टिक की थैलियाँ, मेडिकल वेस्ट और जहरीला कचरा इनके पेट में जाता है। धीरे–धीरे यही जहर उनकी मौत का कारण बनता है। कई बार ऑपरेशन में गायों के पेट से कई किलो प्लास्टिक निकलता है, लेकिन समाज की संवेदनाएँ फिर भी नहीं जागतीं।

सबसे बड़ा सवाल उन पशुपालकों से है जो पशु को केवल "दूध देने वाली मशीन" समझते हैं। जब तक गाय से कमाई होती है, तब तक उसकी पूजा होती है, लेकिन जैसे ही वह सड़कों पर छोड़ दी जाती है, उसकी जिम्मेदारी खत्म मान ली जाती है। यह लालच और अमानवीयता का सबसे कुरूप चेहरा है। जिस पशु से घर चलता है, बच्चों की फीस भरती है और परिवार की आय बनती है, उसी को कचरे में मुंह मारने के लिए छोड़ देना किस संस्कृति और किस धर्म का हिस्सा है?

विडंबना यह है कि गाय के नाम पर देश में सबसे ज्यादा भावनाएँ भड़काई जाती हैं। राजनीति से लेकर धार्मिक मंचों तक "गौ माता" का जयकारा लगाया जाता है। सोशल मीडिया पर लोग गाय को रोटी खिलाते हुए वीडियो डालते हैं और खुद को बड़ा पशु प्रेमी साबित करते हैं। लेकिन यदि सच में गाय के प्रति प्रेम और सम्मान होता, तो शहरों की सड़कों पर कोई गाय भूखी, घायल या प्लास्टिक खाते दिखाई नहीं देती।

आज हालात इतने खराब हो चुके हैं कि शहरों में आवारा पशु केवल अपनी जान ही नहीं गंवा रहे, बल्कि आम लोगों की जान के लिए भी खतरा बनते जा रहे हैं। सड़क दुर्घटनाओं में हर साल हजारों लोग घायल होते हैं। रात के अंधेरे में अचानक सामने आए पशु कई बार जानलेवा हादसों का कारण बनते हैं। लेकिन न प्रशासन गंभीर दिखता है और न समाज।

नगर निगम और स्थानीय प्रशासन समय–समय पर अभियान चलाने की बातें करते हैं, लेकिन समस्या जड़ से कभी हल नहीं होती। कुछ पशु पकड़कर गौशालाओं में भेज दिए जाते हैं, कुछ दिनों तक कार्रवाई दिखाई जाती है और फिर सब पहले जैसा हो जाता है। असल समस्या यह है कि पशुपालकों की जवाबदेही तय ही नहीं की जाती। यदि कोई व्यक्ति अपने पशु को सड़क पर छोड़ता है, तो उसके खिलाफ कठोर कार्रवाई क्यों नहीं होती?

यह संकट केवल पशुओं तक सीमित नहीं है। शहरों में फैला कचरा और गंदगी अब सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए बड़ा खतरा बन चुकी है। खुले कूड़े के ढेर मच्छरों, मक्खियों और संक्रमण का घर बनते जा रहे हैं। बारिश में यही कचरा नालियों जाम करता है और जलभराव के साथ बीमारियों का संकट पैदा करता है। लेकिन हम सफाई को अब भी केवल सरकारी जिम्मेदारी मानकर अपने कर्तव्यों से बच निकलना चाहते हैं।

भारत "स्मार्ट सिटी" और आधुनिक विकास के बड़े–बड़े दावे करता है। चमकती सड़कें, बड़े मॉल और ऊँची इमारतें विकास का प्रतीक बन गई हैं। लेकिन असली विकास वह होता है जहाँ इंसान और पशु दोनों सम्मान और सुरक्षा के साथ जी सकें। जिस शहर में गायें कूड़े में भोजन तलाशती हों और लोग उस दृश्य को सामान्य मानकर गुजर जाएँ, वहाँ विकास केवल दिखावा है।

हमारी सबसे बड़ी समस्या यह है कि हमने संवेदनशीलता को प्रदर्शन में बदल दिया है। कैमरे के सामने दया दिखाना आसान है, लेकिन व्यवस्था बदलने की मांग करना कठिन। लोग मंदिरों में दान देते हैं, धार्मिक यात्राएँ करते हैं, गाय के नाम पर बहस करते हैं, लेकिन अपने आसपास फैली गंदगी और पशुओं की बदहाली पर चुप रहते हैं।

राजनीति भी इस मुद्दे पर केवल भावनात्मक लाभ उठाती रही है। चुनावों में गाय और धर्म के नाम पर भाषण दिए जाते हैं, लेकिन सड़कों पर मरती गायों के लिए ठोस नीति कहीं दिखाई नहीं देती। गौशालाओं के नाम पर करोड़ों रुपये खर्च होने के दावे होते हैं, फिर भी शहरों में बेसहारा पशुओं की संख्या लगातार बढ़ रही है। आखिर यह पैसा कहाँ जा रहा है? जवाबदेही कौन तय करेगा?

सबसे दुखद बात यह है कि बच्चों की पीढ़ी अब इस अमानवीय दृश्य की आदी होती जा रही है। रोज सड़क पर घायल पशु, कूड़े में भोजन तलाशती गायें और गंदगी का माहौल देखकर संवेदनाएँ धीरे–धीरे मरने लगती हैं। एक समाज जो अपने पशुओं तक के प्रति दयालु नहीं रह पाता, वह इंसानों के प्रति भी लंबे समय तक मानवीय नहीं रह सकता।

समाधान स्पष्ट है, बस इच्छाशक्ति की जरूरत है। सबसे पहले पशुपालकों की जिम्मेदारी तय करनी होगी। हर पशु का पंजीकरण अनिवार्य हो और पशु को सड़क पर छोड़ने पर भारी जुर्माना लगाया जाए। नगर निकायों को आधुनिक कचरा प्रबंधन प्रणाली लागू करनी चाहिए। प्लास्टिक के खुले उपयोग और कचरे के गलत निस्तारण पर सख्ती जरूरी है। गौशालाओं की वास्तविक स्थिति का पारदर्शी ऑडिट होना चाहिए।

साथ ही समाज को भी अपने व्यवहार में बदलाव लाना होगा। सड़क पर कचरा फेंकना, प्लास्टिक खुले में छोड़ना और हर समस्या के लिए केवल सरकार को दोष देना आसान रास्ता है। शहर नागरिक अनुशासन और सामूहिक जिम्मेदारी से बदलते हैं। आज सड़कों पर फैला कचरा और उसमें भोजन तलाशती गायें केवल बदइंतजामी का दृश्य नहीं हैं। यह हमारे समाज के नैतिक पतन का आईना हैं। गायों के नाम पर शोर बहुत है, लेकिन उनकी वास्तविक पीड़ा पर खामोशी उससे भी बड़ी है। जब तक यह दोहरी मानसिकता खत्म नहीं होगी, तब तक न शहर सच में स्वच्छ होंगे, न पशु सुरक्षित होंगे और न ही हमारा समाज संवेदनशील कहलाने योग्य बचेगा।

बच्चों की जिंदगी बदलने में बुजुर्गों की पहल

–डा. मोनिका शर्मा–

जीवन में संतान से जुड़े पारिवारिक दायित्व निभाने के बाद उम्र का ऐसा पड़ाव आता है जब व्यक्ति समाज हित में योगदान देने की बाबत सोच सकता है। उसे परिवार मानकर मदद कर सकता है। बुजुर्गों के पास फुर्सत, अनुभव और साझे संसाधन यह काम आसान बनाते हैं। यह सामुदायिक जिम्मेदारी सहानुभूति और सेवा भावना से जुड़ी होती है। बुजुर्गों का यह समूह इसी भावना को लेकर काम कर रहा है। मदद का यह पॉजिटिव विचार किसी के पीछे न छूटने देने का विचार लिए हुए है। इसमें समाज को मजबूत और बेहतर बनाने का इरादा है। किसी जरूरतमंद के जीवन संघर्ष में मदद कर उन्नति करने की राह खोलना है। कहते हैं कि बड़े–बुजुर्ग नयी पीढ़ी का हाथ थामकर आगे बढ़ाते हैं। उनका मार्गदर्शन करते हैं। मनोबल को मजबूती देते हैं। छत्तीसगढ़ की बढ़व संगवारी' संस्था से जुड़े बुजुर्गों की सोच–संवेदनाएं अपने ही नहीं, अपने समाज को लेकर सोचने का संदेश देती हैं। समाज को भी अपना परिवार मानने की बात को पुख्ता करती हैं।

अभावों से जूझते बच्चों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए आर्थिक सहयोग कर रहे बुजुर्गों के अनुभव भी अनमोल हैं। वे समाज की स्थितियों को अच्छी तरह समझते हैं। यही कारण है कि यह संस्था गांवों के बच्चों पर ज्यादा फोकस करती है। दूर–दराज के इलाकों में बहुत से बच्चे पैसे की तंगी के कारण पढ़ाई छोड़ देते हैं। उनकी पढ़ाई जारी रखने के लिए इस संस्था के सदस्य उनकी काउन्सलिंग की भी व्यवस्था करते हैं। ऐसे में कई बच्चों को सही मार्गदर्शन मिल पाता है। उनके समृद्ध अनुभव कई बच्चों का भविष्य संवारने की राह खोल रहे हैं। असल में बड़ों का यह योगदान समग्र समाज को संदेश देने वाला है। हमारे यहां बुजुर्गों की एक बड़ी आबादी है। ये वरिष्ठजन आर्थिक रूप से सक्षम हैं। अपनी पारिवारिक जिम्मेदारियां निभा चुके हैं। ऐसे में आस–पड़ोस के बुजुर्ग, पुराने सहकर्मी या किसी पार्क में सुबह–शाम मिलने वाले हमउम्र साथी साझी सोच के साथ समाज के लिए कुछ करने की राह निकाल सकते हैं। है। इन दायित्वों के साथ समाज के लिए कुछ करने का टाइम और संसाधन जुटाना मुश्किल होता है। ऐसे में एक उम्र के बाद तो अपनी कम्युनिटी के लिए कुछ करने का सोचा जा सकता है। थोड़ा समय और साझे संसाधन इस काम को आसान बना देते हैं। यह सामुदायिक जिम्मेदारी सहानुभूति और सेवा भावना से जुड़ी होती है। बुजुर्गों का यह समूह इसी भावना को लेकर काम कर रहा है। मदद का यह पॉजिटिव विचार किसी के पीछे न छूटने देने का विचार लिए हुए है। इसमें समाज को मजबूत और बेहतर बनाने का इरादा है। किसी जरूरतमंद के जीवन संघर्ष में मदद कर उन्नति करने की राह खोलना है। कहते हैं कि बड़े–बुजुर्ग नयी पीढ़ी का हाथ थामकर आगे बढ़ाते हैं। उनका मार्गदर्शन करते हैं। मनोबल को मजबूती देते हैं। छत्तीसगढ़ की बढ़व संगवारी' संस्था से जुड़े बुजुर्गों की सोच–संवेदनाएं अपने ही नहीं, अपने समाज को लेकर सोचने का संदेश देती हैं। समाज को भी अपना परिवार मानने की बात को पुख्ता करती हैं।

अभावों से जूझते बच्चों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए आर्थिक सहयोग कर रहे बुजुर्गों के अनुभव भी अनमोल हैं। वे समाज की स्थितियों को अच्छी तरह समझते हैं। यही कारण है कि यह संस्था गांवों के बच्चों पर ज्यादा फोकस करती है। दूर–दराज के इलाकों में बहुत से बच्चे पैसे की तंगी के कारण पढ़ाई छोड़ देते हैं। उनकी पढ़ाई जारी रखने के लिए इस संस्था के सदस्य उनकी काउन्सलिंग की भी व्यवस्था करते हैं। ऐसे में कई बच्चों को सही मार्गदर्शन मिल पाता है। उनके समृद्ध अनुभव कई बच्चों का भविष्य संवारने की राह खोल रहे हैं। असल में बड़ों का यह योगदान समग्र समाज को संदेश देने वाला है। हमारे यहां बुजुर्गों की एक बड़ी आबादी है। ये वरिष्ठजन आर्थिक रूप से सक्षम हैं। अपनी पारिवारिक जिम्मेदारियां निभा चुके हैं। ऐसे में आस–पड़ोस के बुजुर्ग, पुराने सहकर्मी या किसी पार्क में सुबह–शाम मिलने वाले हमउम्र साथी साझी सोच के साथ समाज के लिए कुछ करने की राह निकाल सकते हैं।

अपनी और परिवार से जुड़ी जिम्मेदारी तो हर इंसान निभाता ही

कथावाचक के सामने किशोरी की पीड़ा आई सामने, दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता–देवरिया। किशोरी के साथ दूसरे समुदाय के युवक ने कई बार शारीरिक संबंध बनाया। किशोरी ने दूरी बनाई तो आरोपी नस काटने व जान से मारने की धमकी देने लगा। कुछ दिन पहले पीड़िता कथावाचक अनिरुद्धाचार्य के पास पहुंची और पूरी पीड़ा बताई। लाइव पीड़ा बताने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होते ही सदर विधायक डॉ. शलभ मणि ने संज्ञान लिया और एसपी को पत्र लिखकर कार्रवाई के लिए। एसपी के आदेश पर बरियारपुर पुलिस ने केस दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के बाद पुलिस ने उसे न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

हालांकि, हिन्दुस्तान वीडियो की सत्यता की पुष्टि नहीं करता है। एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। जिसमें कथावाचक अनिरुद्धाचार्य के सामने एक किशोरी खड़ा हुई है। उसमें उसने विद्यालय में पढ़ने के दौरान एक दूसरे समुदाय के युवक के साथ नजदीकी होने की बात बता रही है। साथ ही उसके कहने पर किशोरी द्वारा घर से 29 हजार रुपये चुराकर देने की भी बात कबूल कर रही है। इसके अलावा शारीरिक व मानसिक रूप से युवक द्वारा शोषण करने का आरोप लगाया जा रहा है। वीडियो वायरल होते ही सदर विधायक ने इसको लेकर एसपी को पत्र लिख दिया। एसपी के निर्देश पर पीड़िता की मां की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी आशिक अंसारी पुत्र इमामुददीन निवासी चकमाधो उर्फ मठिया थाना बरियारपुर के विरुद्ध केस दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया।सीओ सलेमपुर मनोज कुमार ने बताया कि एक किशोरी के शोषण का मामला सामने आया है। केस दर्ज करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया है।

पैर फिसलने से नौ वर्षीय बालक नदी में गिरा, डूबकर लापता

संवाददाता–गोण्डा। कोतवाली उतरौला क्षेत्र के ग्राम पंचायत मधुवाधनी के सुराहिया देवर गांव में सोमवार को एक दर्दनाक हादसे में नौ वर्षीय मासूम राप्ती नदी में डूब गया। देर शाम तक चले तलाशी अभियान के बावजूद गोताखोर टीम को बच्चे का कोई सुराग नहीं लगा सकी। प्रशिक्षित गोताखोरों की टीम मंगलवार को भी टीम के साथ खोज अभियान में जुटी रही। हालांकि समाचार जाने तक बच्चे का कोई सुराग नहीं मिल सका। ग्राम महुवाधनी निवासी रक्षा राम ने बताया कि उनका नौ वर्षीय पुत्र बृजेश कुमार दोपहर के समय अन्य बच्चों के साथ राप्ती नदी के किनारे खेल रहा था। इसी दौरान अचानक उसका पैर फिसल गया और वह गहरे पानी में चला गया। साथ में मौजूद बच्चों के शोर मचाने पर ग्रामीण मौके पर पहुंचे और बच्चे की तलाश शुरू की। स्थानीय गोताखोरों ने खाफी मशक्कत की, लेकिन कोई सफलता नहीं मिल सकी। घटना की सूचना पर डायल 112 पुलिस मौके पर पहुंची और अधिकारियों को अवगत कराया। सूचना मिलते ही एसडीएम उतरौला मनोज कुमार सरोज, कोतवाल व लेखपाल टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। प्रशासन की ओर से नाव और स्थानीय गोताखोरों की मदद से नदी में काफी देर तक सर्च अभियान चलाया गया, लेकिन अंधेरा होने के कारण अभियान रोकना पड़ा। एसडीएम मनोज कुमार सरोज ने बताया कि लगातार सर्च अभियान चलाया जा रहा है। घटना के बाद गांव में मातम पसरा है। वहीं परिजनों में का रो–रोकर बुरा हाल है।

न्याय, प्रेम और समानता की स्थापना ही रामराज : राजन महाराज

संवाददाता–गोण्डा। कौड़िया के सम्मय माता मंदिर पैडीबरा में चल रही श्रीराम कथा और भंडारा मंगलवार को संपन्न हुआ। इसमें हजारों लोगों ने पूजा अर्चना करते हुए कथा श्रवण कर प्रसाद ग्रहण किया। नौ दिवसीय श्रीराम कथा के अंतिम दिन कथा व्यास राजन महाराज ने प्रवचन में कहा कि विश्वास ही भगवान है। भगवान श्रद्धा व विश्वास के त्रिमूर्ति हैं। भगवान श्री राम का जीवन मानवता, मर्यादा ,त्याग और धर्म का सर्वोच्च आदर्श है। भगवान ने केवल रावण का वध नहीं बल्कि अहंकार, अन्याय व अधर्म का नाश किया जो विजय का प्रतीक है। समाज में न्याय , प्रेम और समानता स्थापित हो उसे रामराज कहते हैं।

उन्होंने प्रभु राम के लंका पर विजय प्राप्त करने, राज्याभिषेक समेत कई मार्मिक प्रसंगों का वर्णन किया। नवें दिन मुख्य यजमान चित्रकूट के महंत आलोक दास, पूर्व मंत्री योगेश प्रताप सिंह, पूर्व विधायक खब्बू तिवारी, पूर्व विधायक बैजनाथ दूबे, छात्र नेता उमेश शुक्ला, ब्लॉक प्रमुख जुगरानी शुक्ला, भवानी भीख शुक्ला, परमानंद मिश्रा, छोटू शुक्ला ,विवेक शुक्ला, बृजेंद्र मिश्रा, अंकित शुक्ला, शिव भगवान शुक्ला, शंकर भगवान शुक्ला, श्रीभगवान शुक्ला, विपिन बिहारी तिवारी, रजनीश तिवारी, बब्बू तिवारी, अतुल तिवारी, रजनीकांत तिवारी, कप्तान शुक्ला, शिव शंकर मिश्रा, कृष्ण गोपाल गप्ता, शिवपाल तिवारी, गोपाल पांडे ने श्रीराम और कथा व्यास की आरती कर पूजा–अर्चना की। श्रद्धालुओं ने मंदिर परिसर में कथा व्यास के सानिध्य में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हवन में आहुतियां डालीं। सुरक्षा व्यवस्था में प्रभारी निरीक्षक जितेंद्र सिंह, क्राइम इंस्ट्रक्टर राधेश्याम यादव, उप निरीक्षक शेषनाथ पांडे, प्रभाकर पांडे, श्रीकृष्णा, धर्मेंद्र यादव, अमरजीत सोनकर, गुलाब सिंह सहित दर्जनों महिला व पुरुष आरक्षित मुस्तैद रहे।

निर्वाचन कार्यालय में लेखपाल से मारपीट, विरोध में कर्मचारियों ने किया रास्ता जाम

संवाददाता–देवरिया। देवरिया जिले के लार क्षेत्र के कुण्डौली सर्किल के मलकौली गांव के हल्का लेखपाल संदीप कुमार के साथ मंगलवार को निर्वाचन कार्यालय सलेमपुर में मारपीट और अभद्रता का मामला सामने आया। घटना से नाराज लेखपालों व तहसील कर्मचारियों ने तहसील गेट पर चक्का जाम कर कार्रवाई की मांग की। सूचना पर पहुंची पुलिस ने लेखपाल व कर्मचारियों को

मंगलवार को लेखपाल संदीप कुमार निर्वाचन कार्यालय में कार्यालयीय कार्य कर रहे थे। उसी दौरान एक युवक अपने साथी के साथ ईडब्ल्यूएस प्रमाणपत्र के लिए रिपोर्ट लगवाने पहुंचा। लेखपाल ने प्रार्थना पत्र लेकर जांच के बाद रिपोर्ट लगाने की बात कही। इस पर युवक तत्काल रिपोर्ट लगाने का दबाव बनाने लगा। लेखपाल द्वारा बिना जांच रिपोर्ट लगाने से इंकार करने पर दोनों युवक भड़क गए और निर्वाचन कार्यालय में हंगामा करते हुए वहां रखी पत्रावलियां बिखेर दीं। इतना ही नहीं, एक युवक ने लेखपाल का कॉलर पकड़ लिया, उनकी शर्ट फाड़ दी और गला दबाने का प्रयास किया। कार्यालय में मौजूद कर्मचारियों ने बीच–बचाव किया तो आरोपी युवक मौके से फरार हो गया।

घटना से नाराज लेखपाल व तहसील कर्मचारी तहसील गेट पर पहुंच गए और कार्रवाई की मांग को लेकर चक्का जाम कर दिया। इससे कुछ देर के लिए अफरा–तफरी का माहौल बन गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और कर्मचारियों को समझाकर जाम समाप्त कराया। उधर पुलिस हंगामा करने वाले युवक के पिता को तहसील गेट स्थित उसकी कम्प्यूटर की दुकान से हिरासत में लेकर कोतवाली चली आई। जिसके बाद लेखपाल व तहसील के कर्मचारी शांत हुए।

कोतवाली प्रभारी दिनेश कुमार मिश्र ने बताया कि निर्वाचन कार्यालय सलेमपुर में एक लेखपाल के साथ युवक द्वारा मारपीट की गई है। मामले में उसके पिता को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। लेखपाल की तहरीर मिली है, जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

मानदेय न मिलने से नाराज सीएचओ ने सौंपा ज्ञापन

संवाददाता–बहराइच। उत्तर प्रदेश में बहराइच जिले के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र चरदा में कार्यरत कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसरों (सीएचओ) ने लंबित मानदेय एवं प्रोत्साहन राशि के भुगतान की मांग को लेकर प्रभारी चिकित्साधिकारी को ज्ञापन सौंपा। सीएचओ का आरोप है कि पिछले छह माह से मानदेय और प्रोत्साहन राशि का भुगतान नहीं किया गया है, जिससे कर्मचारियों को आर्थिक समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। सीएचओ कर्मचारियों ने ज्ञापन के माध्यम से जल्द भुगतान कराने की मांग की है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि समय रहते लंबित भुगतान नहीं किया गया तो 20 मई को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र चरदा के समस्त सीएचओ पट्टी बांधकर शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन करेंगे। ज्ञापन सौंपने वालों में जवाहर शाहू, रूपीन्द्र सिंह, राकेश पाल, विनीत कुमार, नेहा, पूनम, मोहिनी, उदय प्रताप सहित अन्य सीएचओ मौजूद रहे।

दीवार निर्माण को लेकर खूनी संघर्ष, महिला गंभीर

संवाददाता–गोण्डा। कोतवाली इटियाथोक क्षेत्र के दिखलौल पंचायत अंतर्गत मर्दनपुरवा गांव में दीवार उठाने को लेकर दो पक्ष आमने–सामने आ गए। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों पक्षों में जमकर लाठी–डंडे चलने लगे। मारपीट में महिला व युवती समेत करीब आधा दर्जन लोग घायल हो गए। गंभीर रूप से घायल महिला को बेहतर इलाज के लिए लखनऊ रेफर किया गया है। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। हालांकि किसी वायरल वीडियो की पुष्टि हिन्दुस्तान नहीं करता है। बताया जाता है कि सेखुई–धानेपुर मार्ग पर स्थित भूमि पर गांव के दो पक्ष अपना–अपना दावा कर रहे हैं।

इसी भूमि पर एक पक्ष के बब्लू सिंह दीवार चुनवा रहे थे। आरोप है कि दूसरे पक्ष की कांति सिंह ने इसका विरोध किया, जिसके बाद दोनों पक्षों में कहासुनी शुरू हो गई। कुछ ही देर में मामला हिंसक झड़प में बदल गया और दोनों ओर से लाठी–डंडे चलने लगे। घटना में रामकुमार सिंह, अरविंद कुमार सिंह, हिम्मत सिंह, कांति सिंह व बिन्नू समेत कई लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। ग्रामीणों ने किसी तरह बीच–बचाव कर घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र इटियाथोक पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद सभी को गोंडा मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। मारपीट में घायल कांति सिंह की हालत गंभीर बताई जा रही है। उनके कान से लगातार खून बहने के चलते चिकित्सकों ने उन्हें बेहतर इलाज के लिए लखनऊ रेफर कर दिया। प्रभारी निरीक्षक कमलाकांत त्रिपाठी ने बताया कि दोनों पक्षों से तहरीर मिली है। मामले में विधिक कार्रवाई की जा रही है।

एसपी की बड़ी कार्रवाई: एक निरीक्षक व दो दरोगा लाइन हाजिर, तीन निरीक्षकों सहित 16 पुलिस कर्मियों के तबादले

संवाददाता–बहराइच। एसपी विश्वजीत श्रीवास्तव ने कार्य में लापरवाही बरतने पर एक निरीक्षक व दो दरोगाओं को तत्काल प्रभाव से लाइन हाजिर कर दिया है। तीन निरीक्षकों सहित 16 पुलिस कर्मियों के तबादले से पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है। एसपी विश्वजीत श्रीवास्तव ने नवाबगंज थाने में तैनात निरीक्षक अपराध अशोक कुमार वर्मा, रामगांव थाने की हाईवे पुलिस चौकी प्रभारी अयोध्या सिंह तथा सुजौली थाने की कारी कोट पुलिस चौकी प्रभारी राम सुधार यादव को विवेचनाओं में शिथिलता बरतने पर तत्काल प्रभाव से लाइन हाजिर कर दिया है। पुलिस लाइन में तैनात निरीक्षक मुकेश कुमार मिश्रा को नवाबगंज थाने में निरीक्षक अपराध के पद पर तैनात किया गया है।

पुलिस लाइन में तैनात निरीक्षक सुरेश चंद्र राव को सम्मन सेल एवं ई–सम्मन सेल का प्रभारी नियुक्त किया गया है। विशेश्वरगंज थाने में तैनात दरोगा अभय कुमार पांडेय को देहात कोतवाली की टिकोरा मोड़ पुलिस चौकी का प्रभारी बनाया गया है। मोतीपुर थाने में तैनात उपनिरीक्षक रोहित कुमार वर्मा को इसी थाने की रायबोझा पुलिस चौकी का प्रभारी नियुक्त किया गया है। पुलिस लाइन में तैनात दरोगा अमित प्रताप सिंह को मोतीपुर थाने की दौलतपुर पुलिस चौकी का प्रभारी बनाया गया है।

रानीपुर थाने में तैनात वरिष्ठ उपनिरीक्षक चंद्र सेन को देहात कोतवाली की रायपुर राजा पुलिस चौकी का प्रभारी नियुक्त किया गया है। पुलिस लाइन में तैनात दरोगा अरविंद कुमार राय को रिसिया थाने की कटिलिया पुलिस चौकी का प्रभारी बनाया गया है। इसी प्रकार अन्य दरोगाओं के तबादले भी किए गए हैं।

ट्रांसफार्मर फाल्ट दुरुस्त कर रहे लाइनमैन पर जानलेवा हमला, सिर में आई गंभीर चोटें

संवाददाता–बहराइच। उत्तर प्रदेश के बहराइच जिले के हरदी क्षेत्र के रमपुरवा स्थित मान सरोवर तालाब के निकट सोमवार की शाम ट्रांसफार्मर में आए फाल्ट को दुरुस्त कर रहे संविदा लाइनमैन पर एक हमलावर ने जानलेवा हमला कर दिया। हमले में बिजली कर्मी के सिर में गंभीर चोटें आई हैं। प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उन्हें मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया है। पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। हरदी थाना क्षेत्र के रमपुरवा निवासी विनायक शुक्ला पुत्र रमेश चंद्र महसी बिजली उपकेंद्र पर संविदा लाइनमैन के पद पर कार्यरत हैं। सोमवार की रात लगभग 9रू15 बजे वे रमपुरवा स्थित मान सरोवर तालाब के पास के ट्रांसफार्मर में आए तकनीकी फाल्ट को दुरुस्त करने में लगे थे।

इसी दौरान उसी गांव के निवासी शुभम अवस्थी ने वहां पहुंचकर विनायक पर जानबूझकर बिजली आपूर्ति काटने का आरोप लगाते हुए गाली–गलौज शुरू कर दी।विनायक द्वारा एतराज जताने पर हमलावर शुभम अवस्थी ने जान से मारने की धमकी देते हुए प्लायर से उनके सिर पर ताबड़तोड़ वार कर दिए। हमले में विनायक का सिर फट गया और वे अचेत होकर गिर पड़े। उन्हें मृत समझकर हमलावर मौके से फरार हो गया। सूचना मिलते ही परिजन दौड़े और वारदात की जानकारी बिजली उपकेंद्र व थाने को देते हुए घायल को थाने लाए।

पुलिस ने घायल को महसी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा, जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उन्हें मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। घायल की हालत अभी भी गंभीर बनी हुई है। इस वारदात से बिजली कर्मियों में भारी आक्रोश व्याप्त है।

घर में सेंध काटकर लाखों का सामान बटोर ले गए चोर

संवाददाता–गोण्डा। थाना क्षेत्र के अंतर्गत बनकटी सूर्यबली गाँव में सोमवार की रात्रि में राजेन्द्र शुक्ला के खेत की तरफ से चोर घर की दीवार में सेंध काटकर घुस गए। चोर सोने व चांदी के जेवर और नकदी समेत ले गए। बताया जाता है कि राजेन्द्र शुक्ला के घर को सोमवार रात चोरों ने बड़ी आसानी से निशाना बनाया। पीछे दीवार के छज्जे पर चढ़कर सेंध काटकर कमरे में घुसकर गये और दरवाजा खोलकर बड़े बक्से के भीतर रखे लाखों के जेवरात व नगदी लेकर फरार हो गए। परिजनों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। इस पर प्रशिक्षु आईपीएस प्रदीप कुमार के साथ मोतीगंज पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने गहन जांच पड़ताल। राजेन्द्र के छोटे बेटे दीपक ने बताया कि मंगलवार की सुबह जब माँ, बहन व भाभी सोकर उठी तो घर के पीछे का दरवाजा खुला देखा तो सबके होश उड़ गये। घर में सारा सामान बिखरा हुआ पड़ा हुआ। टूटा हुआ बक्सा बाहर पड़ा देख सब दंग रह गये।अंदर जाकर देखा तो कमरे में रखा बक्सा टूटा हुआ था। रुमा शुक्ला ने बताया कि शादी में जो भी सोने और चांदी का सामान मिला था सब चोर उठा ले गए। इसमें करधन, बिछुआ, सोने का मांग टीका, पाजेब, झुमका, सोने की नथुनी, अंगूठी सोने की, दो मंगलसूत्र, पायल, बच्चों का पायल शामिल है। बताया जाता है राजेंद्र शुक्ला व उनका बड़ा बेटा व बहू पंजाब में रहते हैं। घर पर पत्नी और बेटी घर रहती है। दो दिन पहले बड़ा बेटा अपनी पत्नी रुमा को घर छोड़कर गया था जो पीजीटी की परीक्षा देने के लिए यहां आई थी। प्रशिक्षु आईपीएस ध्रुभारी थानाध्यक्ष प्रदीप ने बताया कि सुबह 4रू00 बजे पीआरवी 112 के माध्यम से सूचना मिली थी। मौके पर जाकर जांच पड़ताल किया गया है जल्दी ही चोरी का खुलासा किया जाएगा। अभी पीड़ित परिवार ने तहरीर नहीं दी है।

अधिवक्ता परिषद के प्रदेश अधिवेशन हेतु भूमि पूजन संपन्न

संवाददाता–बहराइच। अधिवक्ता परिषद, अवध प्रांत के बहुप्रतीक्षित प्रदेश अधिवेशन की तैयारियां अब पूरे जोश और उत्साह के साथ आरंभ हो गई हैं। 16–17 मई को आयोजित होने वाले इस महत्वपूर्ण समागम को भव्य एवं सुव्यवस्थित स्वरूप देने के लिए प्रदेश नेतृत्व की टीम ने बहराइच का विशेष प्रवास किया। प्रवास के दौरान प्रदेश महामंत्री मीनाक्षी परिहार सिंह, प्रदेश उपाध्यक्ष अरविंद सिंह तथा प्रदेश मंत्री रंजीता बाल्मीकि ने जिला एवं सत्र न्यायाधीश राजेश कुमार सिंह से शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर पदाधिकारियों ने उन्हें अधिवेशन की महत्ता से अवगत कराते हुए सादर आमंत्रण प्रदान किया।सोमवार की सायंकाल लखनऊ रोड स्थित हरियाली रिजॉर्ट में कार्यक्रम स्थल का विधिवत भूमि पूजन संपन्न हुआ।

वैदिक मंत्रोच्चार के पावन वातावरण में संपन्न इस अनुष्ठान के पश्चात पदाधिकारियों ने कार्यक्रम स्थल का सूक्ष्मता से निरीक्षण किया तथा अधिवेशन की सफलता हेतु सामूहिक संकल्प लिया।भूमि पूजन के उपरांत स्थानीय इकाई के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें जिला इकाई के अध्यक्ष अभय सिंह, महामंत्री आलोक शुक्ला, संरक्षक सुरेंद्र सिंह, पूर्व अध्यक्ष विजय कुमार पाठक, जिला प्रचारक सहित अनेक वरिष्ठ कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जिले के पंचायत सचिवों पर गिरेगी गाज, डीपीआरओ ने दी सख्त चेतावनी

संवाददाता–गोण्डा। उत्तर प्रदेश के गोंडा जिले में ग्राम पंचायत सचिवालयों से आमजन को मिलने वाली सेवाओं में लापरवाही बरतने वाले ग्राम पंचायत सचिवों पर अब कार्रवाई तय मानी जा रही है। डीपीआरओ लालजी दूबे ने इस संबंध में सख्त निर्देश जारी करते हुए सभी सहायक विकास अधिकारियों (पंचायत) और ग्राम पंचायत सचिवों को पंचायत भवनों से नियमित रूप से प्रमाण पत्र जारी कराने के निर्देश दिए हैं। डीपीआरओ ने चेतावनी दी है कि लापरवारी पर मई माह का वेतन रोकने की कार्रवाई की जाएगी।

डीपीआरओ कार्यालय से जारी पत्र में कहा गया है कि शासन के निर्देशों के बावजूद जिले की कई ग्राम पंचायतों में सीएससी के माध्यम से प्रमाण पत्र जारी करने का कार्य बेहद धीमी गति से चल रहा है। विभागीय समीक्षा में सामने आया कि जिले की कुल 1192 ग्राम पंचायतों में से वित्तीय वर्ष 2026–27 में अब तक केवल 431 ग्राम पंचायतों द्वारा ही प्रमाण पत्र जारी किए गए हैं। हैरानी की बात यह है कि 761 ग्राम पंचायतों में अभी तक यह कार्य शुरू भी नहीं हो पाया है। पत्र में पंचायत सहायकों और वीएलई के माध्यम से प्रत्येक ग्राम पंचायत में हर माह कम से कम 100 प्रमाण पत्र जारी कराने के निर्देश दिए गए हैं। इनमें जन्म प्रमाण पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र, निवास प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र और ईडब्ल्यूएस प्रमाण पत्र शामिल हैं। विकासखंडवार समीक्षा में इटियाथोक, करनैलगंज और पंडरी कृपाल ब्लॉक की स्थिति बेहतर पाई गई, जबकि कई विकासखंडों में कार्य संतोषजनक नहीं मिला। डीपीआरओ लालजी दूबे ने चेतावनी देते हुए कहा कि मई माह तक जिन ग्राम पंचायतों में प्रमाण पत्र जारी नहीं होंगे, वहां कार्यरत संबंधित ग्राम पंचायत सचिवों का वेतन रोक दिया जाएगा। मनकापुर ब्लाक सभागार में बाल विकास परियोजनाधिकारी रमा सिंह की अध्यक्षता में सोमवार को बैठक का आयोजन किया गया। उन्होंने कहा कि जिस कार्यकत्री के काम में लापरवाही मिली उसे नोटिस देने के बाद संविदा समाप्त करने की रिपोर्ट उच्चाधिकारियों को भेज दी जाएगी। बैठक में ब्लॉक की समस्त आंगनबाडी कार्यकत्रियों के कार्यों की समीक्षा की गई। जिन आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों के कार्यों में शिथिलता पाई गई। उन्हें कडी फटकार लगाते हुए शासन की मंशानुसार काम पूरा करके पोर्टल पर अपलोड करने की हिदायत दी गई। सीडीपीओ ने प्रधानमंत्री मातृ वंदन योजना की समीक्षा के दौरान सभी गांवों से लाभार्थियों का आवेदन लेकर योजना का लाभ दिलवाने का निर्देश दिया। कहा कि इस योजना में कोताही कतई बर्दास्त नहीं किया जायेगा। अपार आईडी बनवाने पर विशेष जोर देने के साथ समुदाय आधारित गतिविधियों को सम्पन्न कराने का निर्देश दिया।

गैस वितरण में अनियमितता पर एजेंसी पर लगा आठ लाख का जुर्माना

संवाददाता–महराजगंज। निचलौल स्थित गैस एजेंसी द्वारा गैस सिलेंडर वितरण में की गई अनियमितता पर एजेंसी संचालक पर कंपनी ने आठ लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। कंपनी द्वारा यह कार्रवाई तहसील प्रशासन की रिपोर्ट पर की गई है। निचलौल स्थित गैस एजेंसी द्वारा बीते दो महीने में उपभोक्ताओं को गैस वितरण में मनमानी का आरोप लगा है। उपभोक्ताओं द्वारा समय–समय पर एसडीएम और पूर्ति निरीक्षक से शिकायत की गई थी कि उनके मोबाइल पर डिलिवरी का मैसेज आने के बाद भी सिलेंडर उपलब्ध नहीं कराया गया। अभी अप्रैल महीने की बुकिंग का सिलेंडर आधा मई महीना बीतने के बाद भी नहीं मिल पाया है।

गैस वितरण में अनियमितता को लेकर एक महीने पहले पूर्ति निरीक्षक की तहरीर पर निचलौल थाना में एजेंसी संचालक के खिलाफ आवश्यक वस्तु अधिनियम की धाराओं में मुकदमा भी दर्ज हो चुका है। एसडीएम सिद्धार्थ गुप्ता ने बताया कि गैस वितरण में अनियमितता को लेकर एजेंसी संचालक के खिलाफ दो बार में आठ लाख रुपये का जुर्माना कंपनी ने लगाया है। अभी भी गैस बुकिंग के बाद उपभोक्ताओं की ओर से सिलेंडर न मिलने की शिकायतें आ रही हैं।

हादसे में मौत के बाद उग्र भीड़ ने हाईवे पर लगाया जाम, पथराव में दो पुलिसकर्मी घायल

संवाददाता—गोरखपुर। बेलीपार थाना क्षेत्र में सड़क हादसे के बाद हुए बवाल और हाईवे पर जाम को हटाने पहुंची पुलिस टीम पर लोगों ने पथराव कर दिया। इसमें दो पुलिसकर्मी घायल हो गए। पुलिस ने पांच नामजद समेत कई लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। बेलीपार थाना क्षेत्र के चनउ उर्फ बेतउवा गांव के सामने मोटरसाइकिल हादसे में चालक की मौत के बाद ग्रामीणों ने हंगामा शुरू कर दिया। सूचना मिलने पर मरवड़िया कुआं पुलिस चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक शमशेर यादव मौके पर पहुंचे। वहां 25—30 लोग हाईवे पर पत्थर रखकर जाम लगाए हुए थे।

सूचना पर थाना प्रभारी विशाल कुमार सिंह भारी पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने लोगों को समझाकर जाम खुलवाने का प्रयास किया, लेकिन भीड़ उग्र हो गई। आरोप है कि लोगों ने गाली—गलौज करते हुए पुलिस टीम को घेर लिया और ईंट—पत्थर से हमला कर दिया। पथराव में सिपाही आकाश भारती और अजीत यादव घायल हो गए। घटना के दौरान आसपास के लोगों ने डर से अपने घरों के दरवाजे और खिड़कियां बंद कर लीं। पुलिस ने आदित्य पुत्र नगीना निवासी जीतपुर थाना गीडा, अर्जुन पासवान पुत्र कन्हैया लाल, आशीष कुमार पुत्र राजन, करन पासवान पुत्र कन्हैया लाल और कृष्णविजय पुत्र तारेहिंद निवासी चनउ उर्फ बेतउवा समेत 11 लोगों को नामजद किया है। इसके अलावा 14 से 19 अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने अर्जुन पासवान, आशीष कुमार, करन पासवान, कृष्णविजय और शिवम सिंह को हिरासत में लिया है। अन्य आरोपियों की तलाश जारी है। चौकी प्रभारी शमशेर यादव की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।

उमस भरी गर्मी से अस्पताल में बढ़ी मरीजों की तादाद

संवाददाता—संतकबीरनगर। संतकबीरनगर जिले में इन दिनों पड़ रही तेज धूप के साथ उमस भरी गर्मी सब कुछ झुलसा देने का आतुर है। पुरवा हवाओं के चलने की वजह से लोगों को घर के अंदर पसीना खूब हो रहा है। गर्म हवाओं की वजह से शरीर का पानी तेजी के साथ सूख जा रहा है। तेजी से बदलते मौसम में लोग अक्सर बीमारी की चपेट में आ जा रहे हैं। मौसम के उतार—चढ़ाव के चलते लोगों को मौसमी बीमारियां घेर ले रही हैं। इसकी वजह से लोगों को वायरल फीवर का प्रकोप बढ़ रहा है। डिहाइड्रेशन के चपेट में आने वाले लोग अस्पताल आ रहे हैं। लोगों को डायरिया, पीलिया, खांसी और बुखार होने की शिकायत अधिक मिल रही है। जिस प्रकार का मौसम चल रहा है उससे कमजोर रोग प्रतिरोधक क्षमता वाले लोग सर्दी, जुकाम, बुखार की चपेट में आ जा रहे हैं। शादी ब्याह का मौसम होने की वजह से लोग कोल्ड ड्रिंक और आइसक्रीम का प्रयोग जमकर कर रहे हैं। यही सर्द—गर्म लोगों को बीमार बना रहा है। शीतल पेय का यह प्रयोग लोगों को डिहाइड्रेशन की चपेट में ला दे रहा है। मरीजों को धूप लगने की वजह से अस्पताल का सहारा लेना पड़ रहा है। मौसम व खान पान का यह परिवर्तन अस्थमा के मरीजों पर भारी पड़ रहा है। वर्तमान में जिन लोगों को बुखार पकड़ रहा है उन्हें ठीक होने में तीन से पांच दिन लग जा रहे हैं। ग्रीष्म ऋतु के इस प्रकार के मौसम में वायरस जनित बीमारियां तेजी से फैलती हैं। यही कारण है कि वायरल फीवर और वायरल संक्रमण से होने वाली बीमारियां तेजी के साथ फैल रही हैं। जिला अस्पताल में सर्दी जुकाम बुखार से पीड़ित मरीजों की तादाद बढ़ी है। इसके अलावा हड्डी रोग विशेषज्ञ कक्ष में मरीज बढ़ रहे हैं।

मरीजों की तादाद अधिक होने की वजह से जिला संयुक्त चिकित्सालय में मरीजों को उपचार के लिए परेशान होना पड़ा। मौसम में बदलाव की वजह से सर्दी, खांसी, बुखार के मरीज अधिक आए। बुजुर्ग मरीजों में सांस की दिक्कत वाले मरीजों की तादाद अधिक रही। अस्पताल में बाल रोग विशेषज्ञ से लेकर फिजीशियन कक्ष तक लंबी लाइन लगी रही। जिला अस्पताल के सीएमएस डा. रमाशंकर सिंह ने बताया कि सुपाच्य भोजन करें और धूप में जाने से बचें। गर्मी की वजह से तबियत खराब हो रही है तो अस्पताल में आकर इलाज कराएं।

अधिवक्ताओं ने शुरू की स्वगणना

संवाददाता—संतकबीरनगर। संतकबीरनगर जिले के मेंहदावल तहसील सभागार में बार एसोसिएशन के अधिवक्तओं की स्वगणना कराई गई। एसडीएम अरुण कुमार की मौजूदगी में अधिवक्ताओं के नाम, पहचान और व्यवसायिक विवरण का सत्यापन किया गया। प्रशासन द्वारा चलाए जा रहे इस अभियान का उद्देश्य सरकारी अभिलेखों को अद्यतन करना और विभिन्न वर्गों का सटीक आंकड़ा तैयार करना है।स्वगणना कार्यक्रम में बड़ी संख्या में अधिवक्ताओं ने भाग लेकर अपना विवरण उपलब्ध कराया। अधिकारियों ने बताया कि जनगणना से संबंधित यह प्रक्रिया तहसील स्तर पर अलग—अलग संगठनों और वर्गों की वास्तविक स्थिति जानने के लिए कराई जा रही है, ताकि भविष्य में सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में आसानी हो सके।

कार्यक्रम के दौरान एसडीएम अरुण कुमार ने अधिवक्ताओं से स्वगणना अभियान में सहयोग की अपील करते हुए कहा कि सही और अद्यतन आंकड़े प्रशासनिक योजनाओं की सफलता के लिए जरूरी हैं। उन्होंने बताया कि बार एसोसिएशन के बाद अन्य संस्थाओं और संगठनों का भी चरणबद्ध तरीके से सत्यापन कराया जाएगा। साथ ही उन्होंने स्वगणना करते सही ब्यौरा उपलब्ध कराने की अपील किया।

अवैध खनन में लगी ट्रैक्टर ट्राली ने महिला को मारी ठोकर, गंभीर

संवाददाता—गोरखपुर। बड़हलगंज में अवैध खनन में लगी तेज रफ्तार ट्रैक्टर—ट्रॉली एक महिला के लिए जानलेवा साबित हुई। बड़हलगंज—गोला मार्ग पर संगम टॉकीज के सामने ट्रैक्टर—ट्रॉली की चपेट में आने से 50 वर्षीय महिला गंभीर रूप से घायल हो गईं। पुलिस ने दो ट्रैक्टर—ट्रॉली कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। बड़हलगंज, के टाड़ा गांव निवासी इंद्रपाल मौर्य अपनी पत्नी सीमा देवी के साथ गैस एजेंसी पर सिलेंडर लेने आए थे। गैस मिलने के बाद उनका पुत्र सिलेंडर लेकर घर चला गया, जबकि दंपति पैदल लौट रहे थे। इसी दौरान संगम टॉकीज के पास तेज गति से आ रही ट्रैक्टर—ट्रॉली ने सीमा देवी को टक्कर मार दी। हादसे में सीमा देवी के सिर में गंभीर चोट आई है, जबकि हाथ फ्रैक्चर हो गया है। आसपास मौजूद लोगों की मदद से उन्हें तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया। हालांकि परिजन उनका इलाज बड़हलगंज के एक निजी अस्पताल में करा रहे हैं। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दो ट्रैक्टर—ट्रॉली को कब्जे में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि क्षेत्र के दियारा इलाके में लंबे समय से अवैध मिट्टी खनन धड़ल्ले से चल रहा है। प्रतिदिन भोर में आधा दर्जन से अधिक ट्रैक्टर—ट्रॉली तेज रफ्तार से सड़कों पर दौड़ती हैं, जिससे राहगीरों की जान खतरे में पड़ रही है।

साबुकपुर समेत कई क्षेत्र के यात्रियों को जल्द मिलेगी बस सेवा

संवाददाता—अम्बेडकानगर। ग्रामीण क्षेत्र के यात्रियों का आवागमन अब और सुचारु हो सकेगा। मुख्यमंत्री ग्राम परिवहन योजना के तहत परिवहन निगम की एक बस बसखारी व हंसवर होते साबुकपुर के लिए प्रतिदिन संचालित होगी। इसके बाद वापसी में बस टांडा होते हुए जिला मुख्यालय पहुंचेगी।

कई ग्रामीण क्षेत्र के यात्री इस बस से आसानी से अपने गंतव्य के लिए यात्रा कर सकेंगे। उन्हें निजी वाहनों की तुलना में किराया भी कम देना होगा। इस निर्णय का लाभ एक लाख की आबादी उठा सकेगी। ग्रामीण क्षेत्र की बाजारों से जुड़े यात्रियों को सुगम व सुचारु आवागमन की सुविधा देने के लिए प्रदेश सरकार ने मुख्यमंत्री ग्राम परिवहन योजना का शुभारंभ किया है।

जिले में इस योजना के तहत महरुआ, जलालपुर, राजेसुल्तानपुर, भीटी व बनगांव रोड से श्रृंगी ऋषि आश्रम तक बसों का संचालन पूर्व से प्रारम्भ किया गया है। जिससे संबंधित क्षेत्र के यात्रियों को इसका लाभ मिल रहा है। अब परिवहन विभाग एक और निर्णय से यात्रियों को राहत मिलने जा रही है। एआरएम कुंवर हरिओम श्रीवास्तव ने बताया कि शीघ्र ही अकबरपुर से बसखारी, हंसवर होते हुए साबुकपुर तक एक बस का संचालन होगा। वापसी में बस टांडा होते हुए अकबरपुर मुख्यालय पहुंचेगी। इसके लिए सभी जरूरी प्रक्रिया को पूरा कर लिया गया है। जल्द ही मार्ग पर बस सेवा का संचालन शुरू करा दिया जाएगा।नहीं बदलना पड़ेगा वाहन हंसवर निवासी शुभम व निशा ने बताया कि मुख्यालय जाने के लिए अभी तो निजी वाहनों का सहारा लेना पड़ता है, जो बसखारी में ही रुक जाते हैं। ऐसे में वहां से दूसरे वाहन से गंतव्य तक आवागमन करना पड़ता है। ऐसे में किराया तो ज्यादा देना ही पड़ता है। साथ में समय भी जाया होता है, लेकिन अब परिवहन निगम के इस निर्णय से यात्रियों को काफी सहूलियत मिलेगी।

जिन लोगों को जिला मुख्यालय जाना होगा उन्हें अब वाहन बदलने से निजात मिलेगी। वहीं साबुकपुर के कुलदीप सिंह व अजय कुमार ने बताया कि बस के संचालन से लोगों को व्यापक लाभ मिलेगा। सबसे अधिक सहूलियत महिलाओं व बुजुर्गों को होगी।

दंपत्ति ने की खुदकुशी, एक ने जहर खाया तो दूसरे की फंदे पर लटकी मिली लाश

संवाददाता—गोरखपुर। बेलघाट थाना क्षेत्र के मुकारीपुर गांव में मंगलवार सुबह प्रेम विवाह करने वाले दंपती की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। कमरे के अंदर पति का शव पंखे से लटका मिला, जबकि गर्भवती पत्नी की मौत जहरीला पदार्थ खाने से होने की आशंका जताई जा रही है। घटना के बाद गांव में सनसनी फैल गई। फोरेंसिक टीम के साथ मौके पर पहुंची पुलिस मामले की जांच में जुटी है।मुकारीपुर गांव निवासी 25 वर्षीय सादाब ने नवंबर 2025 में 24 वर्षीय निकहत निशा से प्रेम विवाह किया था। परिजनों के अनुसार, पिछले करीब एक सप्ताह से पति—पत्नी के बीच विवाद चल रहा था। मंगलवार सुबह करीब नौ बजे सादाब की बहन उनके कमरे पर पहुंची। काफी देर तक आवाज देने के बावजूद दरवाजा नहीं खुला। शक होने पर उसने कमरे के जंगले से झांककर देखा तो अंदर का दृश्य देखकर चीख पड़ी।कमरे में सादाब का शव पंखे से लटका था, जबकि निकहत निशा बेसुध अवस्था में पड़ी थी। उसके मुंह से झाग निकल रहा था। शोर सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और दरवाजा तोड़कर अंदर घुसे।सूचना मिलने पर बेलघाट पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। पुलिस की शुरुआती जांच में सामने आया है कि निकहत ने जहरीला पदार्थ खाया था, जबकि सादाब ने फंदा लगाकर जान दी। हालांकि, मौत की सही वजह पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी। परिजनों के मुताबिक, निकहत गर्भवती थी। घटना के बाद दोनों परिवारों में मातम पसरा है। सादाब दो भाइयों और चार बहनों में चौथे नंबर पर था। उसके पिता तसव्वुर दुबई में रहते हैं, जबकि मां नजीबुन गांव पर ही रहती हैं।

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय— श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) महोदय बस्ती जिला— बस्ती
कायमी प्रा0पत्र सं0—434/2022
वाद सं0— 1176/2022
श्रीमती मोती रानी
बनाम
अबरार आदि

1— अबरार उम्र लगभग 47 साल 2. सुहेल उम्र लगभग 40 साल 3. सिराज उम्र लगभग 30 साल पुत्रगण महबूब 4. मो0 युनुस उम्र लगभग 72 साल 5. मो0 उमर उम्र लगभग 55 साल 6. हजरत अली पुत्रगण कल्लू निवासीगण मौजा पोखर भिटवा तप्पा सिकन्दरपुर परगना बस्ती पूरब पो0 सल्टौआ गोपालपुर तहसील भानपुर जिला—बस्ती

तारीख पेशी 14—05—2026

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 14 माह 05 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

—द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुद्‌दाअलेह मुतवफ्फा
(आर्डर 22, कायदा 4)
न्यायालय—श्रीमान प्रथम अपर सिविल जज (जू0डि0) महोदय बस्ती जिला—बस्ती
वाद सं0—238/1995
वशीर
बनाम
जलालुद्‌दीन

1/4/1 समीर आयु 16 साल पुत्र शहजाद 1/4/2 साहब आयु 14 साल पुत्र शहजाद 1/4/3 सूफिया आयु 12 साल पुत्री शहजाद 1/4/4 तरीबुन्निशा आयु 38 साल पत्नी शहजाद

तरीबुन्निशा अवयस्क संरक्षिका (सगी मां) सभी निवासीगण ग्राम मंगल बाजार मेहतर टोला बहेलिया टोला पुरानी बस्ती तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला बस्ती

तारीख पेशी 23—05—2026

हरगाह मुद्‌दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्‌दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्‌दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्‌दाअलेह बनाये जांय।

लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 23 माह 05 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा।

बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय— श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद महोदय स्थान बस्ती जिला—बस्ती
वाद सं0— 346/2025
सन्तराम आदि
बनाम
रामभवन आदि

1— रामभवन उम्र लगभग 45 वर्ष 2. रामभरत उम्र लगभग 54 वर्ष 3. रामपारस उम्र लगभग 53 वर्ष पुत्रगण स्व0 रामदुलारे 4. रामपियारे उम्र लगभग 66 वर्ष पुत्र स्व0 दुर्बल निवासीगण सेमरा तप्पा बड़गोपगार परगना महुली पश्चिम पोस्ट गौरा उपाध्याय तहसील बस्ती जिला—बस्ती

तारीख पेशी 22—07—2026

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 22 माह 07 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

—द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
वाद सं0—T202617140203830
धारा 6A . पंचायत राज नियमावली
मौजा—परसा खुर्द बुजुर्ग दरियापुर जंगल
अदालत— श्रीमान उपजिलाधिकारी महोदय भानपुर बस्ती , जिला— बस्ती
लुद्‌दुर
बनाम
विरजा

1. विरजा उर्फ जिलेवा पत्नी महादेव ग्राम तुरकौलिया उर्फ करमहिया डीह इन्दरपुर न्याय पंचायत बडोखर क्षेत्र पंचायत रामनगर तहसील भानपुर जिला—बस्ती

तारीख पेशी 15—05—2026

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 15 माह 05 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 11 माह 05 सन 2026 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
वाद सं0—205373/2026
धारा 24 उ0प्र0रा0सं0—2006
मौजा—लहरा, तप्पा छत्तसी
अदालत— श्रीमान उपजिलाधिकारी महोदय बांसी सिद्धार्थनगर, जिला—सिद्धार्थनगर
रामउजागिर
बनाम
ग्राम पंचायत आदि

1. एनुल्लाह 2. युनुस पुत्र एनुल्लाह 3.नूरल पत्नी रहमत अली 4. रूवाब अली पुत्र एनुल्लाह 5. चिनगुद, समशाद पुत्रगण लैस 6. जोखना पत्नी हफीजुल्लाह 7. मो0 नईम पुत्र हफीजुल्लाह 8. मो0 जहीर खां, शाहिद, अनषेर, इजहार खान पुत्रगण मन्नान 9. आरिफ उर्फ फारूक, अब्दुल्लाह पुत्रगण झकरी 10. साजिदा पत्नी अब्दुल मन्नान 11. शमशेर अली, मोहम्मद मुस्तफा पुत्रगण मोहम्मद खलील 12. मोहरत अली पुत्र सोहरत 13. मु0 अहरून्निसा पत्नी सोहबत 14. शब्बीर अली 15.आमिर अली पुत्रगण रहमतअली 16. हफीजुल्लाह पुत्र नूरे 17. हजरत अली पुत्र नूरे 18. अजमत अली पुत्र नूरे 19. समसाद 20. तहसीलदार पुत्र सरदार 21. अजीमुल्लाह 22. भरामुल्लाह 23. मो0 युसुफ 24. रहमतुल्लाह पुत्रगण अजमत समस्त निवासीगण ग्राम लहरा तप्पा छत्तीस परगना बांसी पूरब तहसील बांसी जिला— सिद्धार्थनगर

तारीख पेशी 18—05—2026

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 18 माह 05 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 11 माह 05 सन 2026 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील
अपील सं0—45/2025
अदालत— श्रीमान जिला जज महोदय बस्ती जिला—बस्ती
गुरू प्रसाद तिवारी उर्फ चन्द्र प्रकाश
बनाम
आकाश पाण्डेय आदि

1. आकाश पाण्डेय उम्र लगभग 15 वर्ष पुत्र रामप्रगट उर्फ गंगा प्रसाद संरक्षिका माता अन्नपूर्णा देवी पत्नी रामप्रगट साकिन मरविटया पाण्डेय हाल मुकाम नकटीदेई तप्पा नवाई परगना नगर पश्चिम तहसील हर्रैया जिला बस्ती 2. मु0 श्यामपियारी उम्र लगभग 70 वर्ष पत्नी स्व0 जनार्दन प्रसाद साकिन नकटीदेई तप्पा नवाई परगना नगर पश्चिम तहसील हर्रैया जिला बस्ती

तारीख पेशी 12—07—2026

अपील बनराजी के अदालत मुकाम बस्ती
मयरिखा महीना सन् 20 ई0
रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 12 महीना 07 सन 2026 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है। अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख माह सन 20 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

मकतब इस्लामियां जमईतुल मुसलेमीन जामे मस्जिद कस्बा नगर बाजार जनपद बस्ती

प्रबंध समिति एवं साधारण सभा की बैठक का एजेंडा

मकतब इस्लामियां जमईतुल मुसेलमीन जामे मस्जिद कस्बा नगर बाजार जनपद बस्ती के प्रबंध समिति एवं साधारण सभा के सदस्यों को सूचित किया जाता है कि संस्था के प्रबंध समिति की बैठक दिनांक **29—05—2026** दिन शुक्रवार समय 10.00 बजे दिन में संस्था के कार्यालय पर आयोजित की गई है। बैठक में प्रबंध समिति के सभी पदाधिकारीगण एवं सदस्यगण मौजूद रहकर बैठक के एजेंडे पर विचार विमर्श करने का कष्ट करें।

बैठक में विचारणीय विषय निम्नलिखित है—

1—पिछली कार्यवाही की पुष्टि पर विचार।
2—संस्था के प्रबंध समिति में रिक्त स्थान की पूर्ति पर विचार।
3—दिगर प्रस्ताव ब इजाजत सदर/प्रबंधक।

प्रबन्धक

किसान के खेत से अवैध मिट्टी खनन

संवाददाता—संतकबीरनगर। संतकबीरनगर जिले के महुली थाना क्षेत्र के ग्राम धंजवल में दबंगों द्वारा किसान की भूमिधरी जमीन से अवैध तरीके से मिट्टी खनन का मामला प्रकाश में आया है। पीड़ित किसान ने जिलाधिकारी व एसडीएम को शिकायती पत्र देकर कार्रवाई की मांग की है।

आरोप है कि 20 अप्रैल की देर रात गांव के कुछ मनबढ़ किस्म के लोगों ने जेसीबी मशीन लगाकर खेत से मिट्टी खनन कर ट्रैक्टरों से उठा लिया। विरोध करने पर पीड़ित को जानमाल की धमकी भी दी गई।ग्राम धंजवल निवासी देवेंद्र पुत्र बैजनाथ ने प्रशासन को दिए शिकायती पत्र में बताया कि उसकी भूमिधरी आराजी पर दबंगों ने रात के अंधेरे में अवैध खनन कराया।

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय— श्रीमान अति0 अधिकारी प्रथम महोदय बस्ती जिला—बस्ती
वाद सं0
धारा—116 उ0प्र0रा0सं0 2006
बावत ग्राम—सरायघाट तप्पा देवरांव
सियाराम आदि
बनाम
दुर्गावती आदि

1— दुर्गावती पत्नी शिव प्रकाश 2. कु0 दिव्या पुत्री शिव प्रकाश नाबालिग वलायत माता दुर्गावती निवासी ग्राम सरायघाट तप्पा देवरांव हा0मु0 मुहल्ला बैरिहवा तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला—बस्ती

प्रतिवादीगण प्रथम वर्ग

3. सूर्यनरायन पुत्र भगवानदीन निवासी ग्राम सरायघाट 4. तेरसा देवी पत्नी सीताराम निवासी ग्राम खरका देवरी 5. चम्पा देवी पत्नी मुन्नालाल निवासी बभनान बाजार 6. आरती पत्नी हीरालाल निवासी ग्राम बेलौड़ी बरगाह समस्त हा0मु0 निवासी ग्राम सरायघाट तप्पा देवरांव परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला बस्ती

प्रतिवादीगण द्वितीय वर्ग

7. ग्राम पंचायत मिश्रौलिया द्वारा प्रधान ग्राम पंचायत मिश्रौलिया तप्पा देवरांव परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला—बस्ती

प्रतिवादी तृतीय वर्ग

तारीख पेशी 18—05—2026

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 18 माह 05 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया। —द0 हाकिम

दैनिक भारतीय बस्ती

संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1—4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक—**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक—**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**
अयोध्या—फैजाबाद कार्यालय— चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या—फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय— आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय— इलाहीबाग गोरखपुर।
मो0 9336715406, 8400925463
ई.मेल **bhartiyabasti@gmail.com**
dainikbhartiyabasti@gmail.com